आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

● वर्ष- 16 अंक 265 ● कटनी ● सोमवार, 31 अक्टूबर, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक मास शुक्ल पक्ष-7 ● विक्रम संवत् 2079 शके 1935

सोमवार सुबह सामने आई ये तस्वीर मोरबी जिला अस्पताल की है। यहां हादसे में मारे गए लोगों की बॉडीज रखी गई हैं। शवों से अस्पताल का पूरा गलियारा पट गया है।

गुजरात में ब्रिज टूटा, 190 की मौत

नहीं होगा पोस्टमार्टम

1. मोरबी हादसे में मारे गए लोगों का पोस्टमॉर्टम नहीं किया जाएगा।
2. राजकोट के भाजपा सांसद के परिवार के 12 लोग हादसे में मारे गए।
3. NDRF के अफसर ने आशंका जताई है कि पुल के नीचे शव फंसे हो सकते हैं।
4. हेल्पलाइन नंबर 02822243300) जारी। मोरबी और राजकोट हॉस्पिटल में इमरजेंसी वार्ड बना।

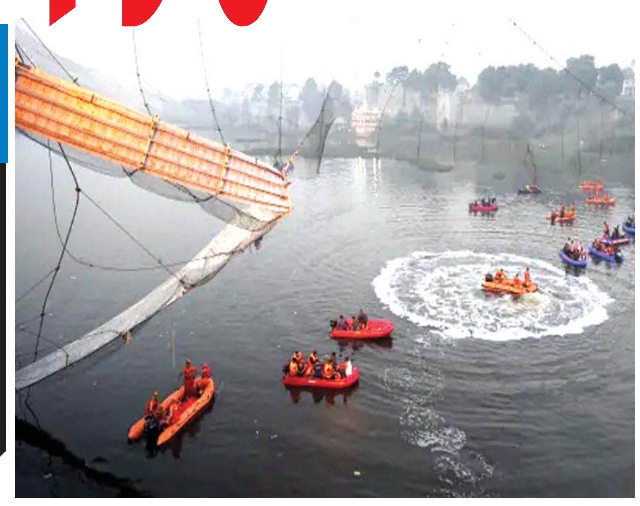

रेस्क्यू अफसर बोले: पुल के नीचे शव फंसे हो सकते हैं, मटमैले पानी में ढूंढना मुश्किल

गांधीनगर एजेंसी। गुजरात के मोरबी पुल हादसे में मृतकों की संख्या सोमवार सुबह 190 पहुंच गई। इनमें 25 बच्चे हैं। मृतकों में महिलाओं और बुजुर्गों की संख्या भी ज्यादा है। 170 लोग रेस्क्यू किए गए हैं। हादसा रविवार शाम 6.30 बजे तब हुआ, जब 765 फीट लंबा और महज 4.5 फीट चौड़ा केबल सस्पेंशन ब्रिज टूट गया। 143 साल पुराना पुल ब्रिटिश शासन काल में बनाया गया था। यह पुल पिछले 6 महीने से बंद था। कुछ दिन पहले ही इसकी मरम्मत की गई थी। हादसे से 5 दिन पहले 25 अक्टूबर को यह ब्रिज आम लोगों के लिए खोला गया। रविवार को यहां भीड़ क्षमता से ज्यादा हो गई। हादसे की भी यही वजह बताई जा रही है।

इस दर्दनॉक हादसे में राजकोट के भाजपा सांसद मोहन कुंदरिया की फैमिली के 12 लोगों की जान चली गई। पुल हाल ही में मरम्मत के बाद जनता के लिए फिर से खोला गया था। राज्य सरकार ने मोरबी की घटना की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। आईएएस अधिकारी एवं एएमसी आयुक्त राजकुमार बेनीवाल, गांधीनगर में सड़क एवं भवन में गुणवत्ता नियंत्रण

मृतकों में राजकोट के भाजपा सांसद मोहन कुंदरिया की फैमिली के 12 लोग शामिल

विभाग के मुख्य अभियंता केएम पटेल, एलडी इंजीनियरिंग कॉलेज के साथ एचओडी स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग विभाग डॉ गोपाल टैंक, सचिव सड़क एवं आवास संदीप वसावा और सीआईडी (अपराध) आईजी सुभाष त्रिवेदी की एक कमिटी बनाई गई है, जो मामले की जांच करेगी। आज सुबह भी आर्मी, NDRF और SDRF की टीमों का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मच्छू नदी में पानी कम करने के लिए चेक डैम तोड़ा जा रहा है। मामले में ब्रिज की मैनेजमेंट कंपनी पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया गया है। जांच के लिए कमेटी बनी है। हादसे से जुड़े कुछ वीडियोसोशल मीडिया में वायरल हैं। ब्रिज टूटने से तुरंत बाद का वीडियो दिखाई दे रहा, जिसमें लोग टूटे ब्रिज पर लटके हुए मदद की गुहार लगा रहे हैं। हादसे के बाद कोई तैरकर बच आया तो किसी को वहां पर मौजूद लोगों ने बचाया। एक वीडियो में कुछ लोग एक शव को लिए भाग रहे थे। हादसा रविवार शाम 6.30 बजे हुआ था। 143 साल पुराना यह पुल 6 महीने से बंद था। हाल ही में इसकी मरम्मत की गई थी। 25 अक्टूबर को इसे आम लोगों के लिए खोला गया था। रविवार होने की वजह से भीड़ ज्यादा हो गई। हादसे की यही वजह बताई जा रही है। जिला प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर (02822243300) जारी किया है। घायलों के इलाज के लिए मोरबी और राजकोट हॉस्पिटल में इमरजेंसी वार्ड बनाया गया है। रेस्क्यू में लगे हृष्ठक्क अफसर ने कहा कि इतनी मौतें पहली बार देखी हैं। नदी के मटमैले पानी में हमें लोगों को ढूंढने में दिक्कत आ रही है। इस वीडियो में हादसे के तुरंत बाद टूटे ब्रिज पर लोग लटके हुए दिखाई दे रहे हैं। इनमें से कुछ के शरीर का हिस्सा पानी में हैं। ये सभी टूटे ब्रिज से मदद मांगते नजर आ रहे हैं। खबर है कि ब्रिज पर लटके लोगों को बाद में बचा लिया गया। हादसे के कारण नदी में डूबे लोगों को बचाने के लिए स्थानीय लोग नदी में उतर गए। उन्होंने डूबे लोगों को नदी से बाहर निकाला।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही छठ महापर्व का समापन

शहर के नदी घाटों पर उमड़ी भीड़ स्नेह आतुर दिखे जनप्रतिनिधि

कटनी, यशभारत। लोक आस्था के महापर्व छठ का रंग पूरे जिले में देखने को मिला। सोमवार को महापर्व के चौथे दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही महापर्व का समापन हो गया। उगते सूर्य की उपासना के बाद छठ व्रती पारण कर 36 घंटे का निर्जला उपवास तोड़ेंगे। शहर खास तौर पर उपनगरीय क्षेत्रों मंगलनगरए एनकेजेए बाबा घाटए आयुध निर्माणीए गायत्री नगरए रेलवे कालोनी में छठ पर्व के दौरान गजब का उत्साह देखने को मिला। घाटों पर आस्था का जन सैलाब उमड़ पड़ा। शहर के छपरवाह में सिमरोल नदी हनुमान घाट पर बने उद्यान में छठ पर्व का नजारा देखने लायक था। यहां खास तौर पर आराधना के लिए बने घाट पर ऐसा नजारा दिखा मानों पूरा उत्तर भारत ही कटनी पहुंच गया। इस अवसर पर उत्तर भारतीयों को शुभकामनाएं बधाई देने शहर के गणमान्य नागरिक विशेष तौर पर नेता गण इन घाटों पर नजर आए तथा स्वयं को भी छठ पूजा में शामिल कर उत्तर भारतीय निवासियों के प्रति स्नेह दिखाया।

बिसप के राज में कटनी शामिल

कटनी,यशभारत। जबलपुर में ईओडब्ल्यू के चंगुल में फंसे बिसप पीसी सिंह के राजफास में कटनी भी प्रमुख रूप से शामिल है कटनी के स्कूलों में भी बिसप का हेरफेर सामने आया है जिसकी अब बारीकी से जांच चल रही है। दरअसल ईओडब्लू ने अब पीसी सिंह को मिलने वाले वेतन का पूरा लेखा-जोखा तलब

किया है। वेतन के अनुपात में संपंति का आकलन होगा। जानकारी के लिए जांच एजेंसी ने कार्यकारी बिशप को पत्र लिखा है। ईओडब्ल्यू की टीम ने एक्टिंग बिशप खिमला से बुधवार तक यह जानकारी उपलब्ध मांगी है, ताकि ईओडब्ल्यू द्वारा अग्रिम कार्रवाई की जा सके। इधर, टीम ने पीसी सिंह के कारनामों के बारे में भी एक्टिंग बिशप खिमरा से कई सारी जानकारियां लीं। ईओडब्ल्यू पूर्व बिशप पीसी सिंह को लोक सेवक मानकर आय से अधिक संपत्ति के तहत कार्रवाई करेगी। द बोर्ड आफ एजुकेशन चर्च आफ नार्थ इंडिया द्वारा शिक्षण संस्थाओं का संचालन किया जाता था। इसमें से कटनी, शहडोल और जबलपुर में कई स्कूल थे, जिनके लिए सरकार से अनुदान मिलता है। इन्हीं संस्थाओं से बिशप पीसी सिंह को वेतन भुगतान भी होता था। सरकारी अनुदान प्राप्त होने के चलते ईओडब्ल्यू की टीम ने बिशप पीसी सिंह को सरकारी कर्मचारी माना है, इसलिए उसकी शैक्षणिक संस्थाओं से अब तक हुई आय की पूरी जानकारी मांगी है, जिसके बाद उसे मिलने वाले वेतन और उसके पास मिली संपत्ति का आकलन किया जाएगा। ईओडब्ल्यू ने बिशप पीसी सिंह को मिलने वाले वेतन और अतिरिक्त भत्तों की रसीद और बैंक खातों का ब्यौरा मांगा है।

कटनी में पेट्रोल डीजल के रेट में मामूली कमी

कटनी, यशभारत। इंटरनेशनल मार्केट में आज कच्चे तेल की कीमतों में राहत जारी है। आज मध्यप्रदेश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट देखी गई है। पेट्रोल में औसतन 0.08 रुपये की गिरावट हुई। डीजल में भी औसतन 0.08 रुपये प्रति लीटर की गिरावट देखी गई है। प्रदेश में डीजल की कीमत 94.81 रुपये प्रति लीटर है। हालांकि कुछ ऐसे भी शहर हैं, जहां आज पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि हुई है। इस लिस्ट में सागर, रतलाम, मंदसौर, कटनी, डिंडौरी, देवास, दमोह, अशोकनगर और अनुपुर भी शामिल है।

मानव तस्करी रोकने बनेगी हेल्पडेस्क

कटनी, यशभारत। मानव तस्करी मे नए तरीको को शातिर अपना रहे हैं। इससे बचने के लिए आरपीएफ भी सतर्क हो गया है। मामले में रलवे स्टेशनों में हेल्प डेस्क बनाई गई हैं। इसके साथ ही कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जा रहा है। कटनी चूंकि प्रदेश का एकमात्र ऐसा जक्शन है जहां से चारों दिशाओं की ओर आना जाना लगा रहता है। लिहाजा कटनी को लेकर रेल प्रशासन आरपीएफ तथा जीआरपी विशेष रूप से सक्रिय है। जबलपुर में आयोजित हुई संगोष्ठी में कटनी रेलवे स्टेशन पर विशेष फोकस किया गया। मानव तस्करी में कटनी स्टेशन ही नहीं कटनी के सड़क मार्गों का भी उपयोग हो सकता है किन्तु ज्यादातर रेल मार्ग के द्वारा ही मानव तस्करी का खेल किया जाता है आपको बता दें कि कटनी में कई ऐसे मामलों में पुलिस ने बतौर श्रमिक बाहर ले जाए जा रहे लोगों को मुक्त कराया। बहरहाल ट्रेनों से हो रही मानव तस्करी को रोकने के लिए बड़े स्तर पर कदम

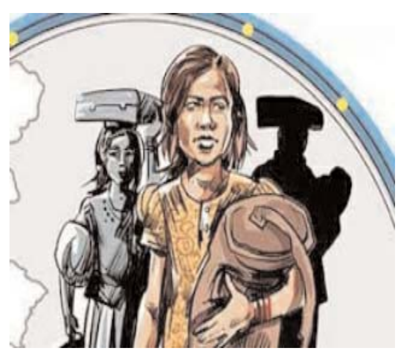

उठाए गए हैं। इसके लिए आरपीएफ ने अभियान चलाने से लेकर लोगों को जागरूक करने का काम किया । इसमें बड़े स्तर पर सफलता भी हाथ ली है। यह जानकारी पश्चिम मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त प्रदीप गुप्ता ने दी है। जबलपुर रेल मंडल कार्यालय मे एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। तस्करी में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों से भी अवगत कराया गया। जबलपुर समेत कई स्टेशनों पर बनाई हेल्प डेस्क- प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त प्रदीप गुप्ता ने बताया कि मानव तस्करी रोकने के लिए जबलपुर, भोपाल और कोटा मंडल की सभी आरपीएफ पोस्ट पर एन्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग ईकाईयों का गठन किया गया है। इनके द्वारा जिला स्तर की अन्य ईकाईयों के साथ समन्वय स्थापित कर लगातार कार्रवाई की जा रही है। वरि, मण्डल सुरक्षा आयुक्त अरूण त्रिपाठी ने रेलवे बोर्ड द्वारा जारी मानक प्रक्रिया आदेश की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जबलपुर स्टेशन पर चाइल्ड हेल्प लाईन के साथ हेल्प डेस्क है। कटनी, सागर, मैहर, सतना, नरसिंहपुर एवं दमोह स्टेशनों पर हेल्प डेस्क बनाई गई है।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत, बाइकों में हुई थी भिड़ंत

कटनी,यशभारत। कटनी-शाहनगर रोड पर सड़क हादसे का शिकार हुए युवक की इलाज के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई है। मौत की सूचना पर पुलिस ने युवक के शव को अपने कब्जे में लेते हुए पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस ने बताया कि कुठला थाना अंतर्गत मंटोला गांव निवासी संतोष पिता कोदुलाल चौधरी (30 वर्ष) 27 अक्टूबर की शाम कटनी से अपनी बाइक पर सवार होकर अपने गांव वापस लौट रहा था। इसी दौरान कटनी-शाहनगर रोड पर सामने से आ रही मोटरसाइकिल से टकरा गया। हादसे में संतोष चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गया था। संतोष को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान 29 अक्टूबर को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर प्रकरण को जांच में लिया है।

छठ पर्व के अवसर पर रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति के मध्य स्पेशल ट्रेन एक-एक ट्रिप और चलाई

कटनी, यशभारत। रेल प्रशासन द्वारा छठ त्यौहार के अवसर पर अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लीयर करने एवं यात्रियों की सुविधा के लिए गाड़ी संख्या 01663/01664 रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापतिके मध्य एक-एक ट्रिप स्पेशल ट्रेन और चलाने का निर्णय लिया गया है। यह गाड़ी पश्चिम मध्य रेल के रानी कमलापति से प्रस्थान कर होशंगाबादए इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, सिहोरा रोड, कटनी, मैहर एवं सतना स्टेशनों' से होकर गन्तव्य को जाएगी।

इस स्पेशल ट्रेन की पश्चिम मध्य रेल के स्टेशनों की विस्तृत जानकारी निम्न है। गाड़ी संख्या 01663 रानी कमलापति से दानापुर स्पेशल ट्रेन 1.11. 2022' को रानी कमलापति स्टेशन से 14:20 बजे प्रस्थान कर होशंगाबाद 15:20 बजे, इटारसी 15:50 बजे, पिपरिया 17:10 बजे, नरसिंहपुर 18:33 बजे, जबलपुर 19:35 बजे, सिहोरा रोड 20:23 बजे, कटनी 21:00 बजे, मैहर 21:48 बजे, सतना 22:35 बजे अगले दिन प्रयागराज छिवकी 01:55 बजे और 08:45 बजे दानापुर स्टेशन पहुँचेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01664 दानापुर से रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन 2.11.2022 को दानापुर स्टेशन से 12:45 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन सतना 00: 55 बजे, मैहर 01:28 बजे, कटनी 02:30 बजे, सिहोरा रोड 03:13 बजे, जबलपुर 03:50 बजे, नरसिंहपुर 05:00 बजे, पिपरिया 06:10 बजे, इटारसी 07:10 बजे, होशंगाबाद 07:53 बजे, और 09:50 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुँचेगी।

इस गाड़ी में 01 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 02 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 12 शयनयान श्रेणी, 04 सामान्य श्रेणी, 01 एसएलआरडी एवं 01 जनरेटर कारसहित कुल 21 कोच रहेंगे। यह स्पेशल ट्रेन अप एवं डाउन दिशा में होशंगाबाद, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, सिहोरा रोड, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा स्टेशनों पर रुकेगी।

तीन जोड़ी रेलगाड़ियों में अस्थाई कोच की अवधि बढाई

रेल प्रशासन के द्वारा त्यौहारों पर अतिरिक्त यात्री यातायात एवं प्रतीक्षा सूची को क्लीयर करने के लिए अतिरिक्त कोच लगाए जाते रहे है। इसी कड़ी में पमरे से प्रारम्भ, टर्मिनेट होने वाली तीन जोड़ी रेलगाड़ियों में अस्थाई कोच कि अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या 18247 बिलासपुर, रीवा एक्सप्रेस ट्रेन में 1.11.2022 से 30.11.2022 तक तथा वापसी में गाड़ी संख्या 18248 रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस ट्रेन में 02.11.2022 से 1.12.2022 तक 1 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का अस्थाई कोच की अवधि बढ़ाई जा रही हैं। गाड़ी संख्या 18236 बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस ट्रेन में दिनांक 01.11.2022 से 30.11.2022 तक तथा वापसी में गाड़ी संख्या 18235 भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस ट्रेन में दिनांक 03ण11ण2022 से 02.12.2022 तक 01 शयनयान श्रेणी का अस्थाई कोच की अवधि बढ़ाई जा रही हैं। गाड़ी संख्या 12853 दुग-भोपाल एक्सप्रेस ट्रेन में 1.11.2022 से 30.11.2022 तक तथा वापसी में 'गा?ी संख्या 12854 भोपाल-दुर्ग एक्सप्रेस ट्रेन' में दिनांक 02.11.2022 से 01.12.2022 तक 01 शयनयान श्रेणी' का अस्थाई कोच की अवधि बढ़ाई जा रही हैं।

युवाओं के प्रेरणापुंज, महाकौशल के गौरव, ह्दयसम्राट
पीड़ित मानवता के प्रति सदैव समर्पित सच्चे जनसेवक,
हमारे आदर्श विधायक विजयराघवगढ़ सम्माननीय श्री

संजय सत्येन्द्र पाठक
जी को जन्मदिवस की हार्दिक बधाईयां शुभकामनाएं

अपील
- नगर स्वच्छ बनाए रखने सभी नगरवासी सहभागिता निभाएं
- स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाएं
- जल ही जीवन है, इसे व्यर्थ न बहाएं
- सभी करों का भुगतान समय मे करते हुए नगर विकास में आगे आएं

पीयूष अग्रवाल
अध्यक्ष
नगर परिषद बरही

मनोहर बिंझवार
सीएमओ
नगर परिषद बरही

सौजन्यः- समस्त पार्षदगण,
कर्मचारीगण नगर परिषद, बरही

In The Court Of IX Civil Judge, Junior Division, District Court, Sagar Presiding Officer: सुश्री आयूषी उपाध्याय

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)

(RCS A/0000356/2021)

सीताराम दुबे .... वादी Vs देवेन्द्र दुबे .... प्रतिवादी

Process Id-/2022, पेशी दिनांकः- 04/112022

प्रेषिती
देवेंद्र दुबे पिता स्व. श्रीराम दुबे
पता- रबर फैक्ट्री रोड मकान नंबर-3 कटनी मध्यप्रदेश

यह कि प्रार्थी सीताराम दुबे ने आपके विरूद्ध सिविल सूट क्लास-ए 1 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मान किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हों अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 14 अक्टूबर 2022 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है। कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकास पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

न्यायालय की मुद्रा

न्यायाधीश
आयूषी उपाध्याय
नवम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड जिला-सागर म.प्र.

संजय सत्येन्द्र पाठक
जी को जन्मदिवस की हार्दिक बधाईयां शुभकामनाएं

के.के. ट्रेडर्स
कार्तिक बिचपुरिया
(शेर छाप एजेंट)
वृंदावन कालोनी झिंझरी, कटनी
मो. 8435469650, 9424678806

सिटी मॉल बरही रोड में
ऑल इंडिया रिलीज
रोजाना 5 शो ता. 25 से
सुबह 10.30, 1.15, 4,7 एवं रात्रि 10.15 बजे से

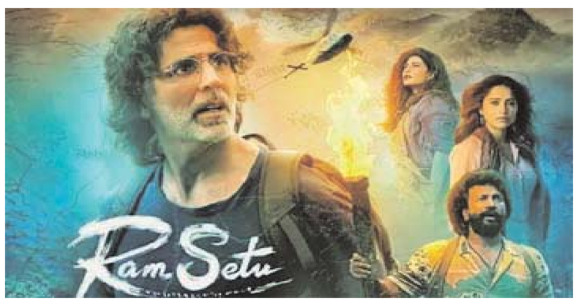

रामसेतु
कलाकार- अक्षय कुमार, जैकलीन फर्नांडिस, नुसरत भरूचा, सत्यदेव आदि।
Tickets Available on Book My Show
बुकिंग के लिए संपर्क करें- 07622-422402

सिटी मॉल बरही रोड में
ऑल इंडिया रिलीज
रोजाना 2 शो ता. 25 से
सुबह 10.45 एवं रात्रि 9.45 बजे से

के.के.
कार्तिक बिचपुरिया
(शेर छाप एजेंट)

ब्लैक एडम (हिन्दी में)
कलाकार- डवेन जान्शन, जेनिफर हालेंड, सारा आदि।
Tickets Available on Book My Show
बुकिंग के लिए संपर्क करें- 07622-422402

सिटी मॉल बरही रोड में
ऑल इंडिया रिलीज
रोजाना 4 शो ता. 25 से
दोपहर 12.45, 3, 5.15, एवं सायं 7.30 बजे से

थैंक गॉड
कलाकार- सिद्धार्थ मल्होत्रा, अजय देवगन, रकुलप्रीत सिंह, विक्रम कोचर आदि।
Tickets Available on Book My Show
बुकिंग के लिए संपर्क करें- 07622-422402

नीरज सिनेप्लेक्स में

ऑल इंडिया रिलीज
रोजाना 3 शो ता. 25 से
12,3 एवं सायं 6 बजे से
रामसेतु
कलाकार- अक्षय कुमार, जैकलीन फर्नांडिस, नुसरत भरूचा, सत्यदेव आदि।
टिकट दर
बालकनी क्लास- 100/- बॉक्स- 120/-
लोवर क्लास-50/- अपर क्लास-80/-

यश भारत

सिटी न्यूज

आज की खबर अभी, आप रहें घर पर
सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर यशभारत
www.yashbharat.com
https://www.facebook.com/yashbharatnews/
YASHBHARAT-Epaper

कटनी, सोमवार, 31 अक्टूबर 2022

बिल बकाया होने पर 15 दिन पहले नोटिस देने के नियम की हो रही अनदेखी

मप्र विद्युत प्रदाय संहिता में उपभोक्ताओं के मिले अधिकारों का हनन कर रही बिजली कंपनी

विद्युत् ब्रह्मोति

पत्रकारवार्ता में मप्र कांग्रेस बिजली समस्या निराकरण प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष ने लगाए आरोप

कटनी, यशभारत। बिजली उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण के लिए मप्र विद्युत प्रदाय संहिता का प्रावधान है, जिसमे उपभोक्ताओं को कई तरह के अधिकार दिए गए हैं लेकिन इन अधिकारों की जानकारी नहीं होने के कारण उपभोक्ताओं को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा भी उपभोक्ताओं के हितों की अनेदखी करते हुए मनमाना रवैया अख्तियार कर लिया गया है। उक्त आशय के उद्गार मप्र कांग्रेस बिजली समस्या निराकरण प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने रविवार को कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकारवार्ता में व्यक्त किए। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि बिजली कंपनी आम बिजली उपभोक्ताओं को मप्र विद्युत प्रदाय संहिता में प्रदत्त अधिकारों को छिपा रही है। सिर्फ उन्हीं बातों को सार्वजनिक किया जाता है, जो कंपनी के हित में हों। मप्र में ऐसा कोई परिवार नहीं है, जो बिजली विभाग की मार न झेल रहा हो। बिजली उपभोक्ताओं की समस्या के निराकरण व कंपनी की गलत नीतियों को उजागर करने के लिए कांग्रेस ने बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ का गठन किया है। प्रकोष्ठ अब उपभोक्ताओं की लड़ाई लड़ेगा। इसके लिए कटनी जिले में भी इकाई गठित की जाएगी। कार्यकर्ताओं को दायित्व सौंपे जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रकोष्ठ का हेल्पलाइन नंबर जल्द जारी किया जाएगा, जिसमें उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। उपभोक्ताओं की समस्या का निराकरण प्रकोष्ठ द्वारा कराया जाएगा। पत्रकारवार्ता में जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष मिथलेश जैन, ग्रामीण अध्यक्ष गुमान सिंह, पूर्व पार्षद मनोज गुप्ता, रमेश सोनी, इश्तियाक अहमद, अनिल सिंह एडवोकेट व शेखर भारद्वाज मौजूद रहे।

ये हैं उपभोक्ताओं के अधिकार

बिजली बिल बकाया होने पर अचानक बिजली नहीं काटी जा सकती। विद्युत प्रदाय संहिता की धारा 9.15 में उल्लेख है कि बिजली काटने के 15 दिन पूर्व उपभोक्ता को लिखित नोटिस देना होगा। बिजली मीटर जलने, खराब होने पर मीटर पुनः स्थापित करने के नाम पर राशि वसूली जाती है, जबकि विद्युत प्रदाय संहिता 2021 के तहत मीटर इनपुट से खराब होने पर हर्जाना बिजली कंपनी को भुगतना होगा। बिजली उपभोक्ता की सप्लाई ऑफिस आवर मतलब सुबह 10.30 बजे से 5.30 बजे तक ही काटी जा सकती है। अन्य समय पर बिजली काटने के लिए तहसीलदार का आदेश व मौजूदगी अनिवार्य है। प्रत्येक 10 हजार उपभोक्ता पर एक एइ, एक जेइ और 2 लाइनमेन होने चाहिए लेकिन यहां 50 हजार उपभोक्ताओं पर ऐसी स्थिति है। उपभोक्ता को बिजली बिल देने में यदि 7 दिवस से अधिक की देरी होती है तो बिजली कंपनी को मप्र विद्युत प्रदाय संहिता 2021 की कंडिका 8.48 के अनुसार 2 प्रतिशत बिजली में छूट देनी चाहिए।

सांस्कृतिक संध्या एवं दीपदान महोत्सव में बिखरी दीपोत्सव की छटा

दीपदान महोत्सव में डॉ. संजय निगम का पुण्य स्मरण, जागृति पार्क में आयोजन

कटनी, यशभारत। दीपोत्सव के पावन पर्व पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी माधवनगर स्थित जागृति पार्क में जागृति संस्था एवं पर्यावरण विकास संधारण समिति द्वारा सांस्कृतिक संध्या एवं दीपदान महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे जागृति संस्था के संस्थापक एवं जागृति पार्क की स्थापना में अपना अतुलनीय योगदान देने वाले डॉ. संजय निगम का पुण्य स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धाजंलि अर्पित की गई। सांस्कृतिक संध्या में एक से बढ़कर एक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी गई। छोटे-छोटे बच्चों की शानदार प्रस्तुति ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। जागृति संस्था की अध्यक्ष डॉ. श्रीमती उमा निगम ने बताया कि आज से कई वर्षों पूर्व डॉ. संजय निगम ने दीपोत्सव पर्व पर सांस्कृतिक संध्या एवं दीपदान महोत्सव कार्यक्रम की शुरूआत की थी। इस आयोजन ने आज एक परंपरा का रूप ले लिया है और बड़ी संख्या में शहर के प्रबुद्ध वर्ग के लोग यहां पहुंचकर आयोजन को सफल बनाते हैं। आयोजन में मुख्य रूप से जिला शिक्षा अधिकारी पृथ्वी पाल सिंह सहित जाग्रति संस्था के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों की उपस्थिति रही। इस रंगारंग सांस्कृतिक संध्या की रूपरेखा श्रृष्टि निगम द्वारा तैयार की गई थी। कार्यक्रम का संचालन श्रृष्टि निगम ने किया।

दीपावली पर्व पर मजदूरों को बांटे उपहार

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष ने सालों से चली आ रही परंपरा का किया निर्वहन

कटनी, यशभारत। कैमोर के प्रतिष्ठित उद्योगपति भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष नबाब खान ने दीपोत्सव पर्व पर चली आ रही परंपरा का इस बार भी निर्वहन किया। अपने मजदूरों को हर वर्ष दीपावली पर्व के पहले उपहार, सामग्री, कपड़े, मिठाईया के साथ बोनस का वितरण किया जाता रहा है। विगत दो वर्ष देश में कोरोना महामारी की वजह से मजदूरों को परेशानी न हो, इसलिए इंजीनियर नबाब खान ने घर बैठे मजदूरों को दीपावली उपहार दिया। मजदूरों के बुरे संकट में भी उन्होंने पूरी तत्परता के साथ मजदूरों का साथ दिया। इसी तारतम्य में इस वर्ष भी मजदूरों, सहयोगियों व स्टाफ के कर्मचारियों को दीपावली का उपहार दिया। जुवेदा एंड सॉस के संचालक उद्योगपति नबाब खान ने कहा कि मेरी दीवाली मेरे मजदूर साथियों की खुशी है। इनके चेहरे पर अगर मेरी वजह से खुशी आती है तो यह मेरी खुश किस्मती है। अल्लाह मुझे हमेशा इनकी खुशी का जरिया बनाए रखे। में इनके लिए सदैव समर्पित रहूंगा। उपहार भेंट प्राप्त करने बाद मजदूरों में खुशी की लहर देखी गयी। मजदूरों ने कहा कि कोरोना काल में परिवार की सुरक्षा एवं लाखो हमारे इलाज का इंतजाम किया।

धर्मप्रभावना के क्षेत्र में सक्रिय समाजसेवियों का अभिनंदन

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप द्वारा बिलहरी में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन

कटनी, यशभारत। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप द्वारा धार्मिक ऐतिहासिक पुष्पावती नगरी बिलहरी में स्थित जैन मंदिर परिसर में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन विधायक संदीप जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के पूर्व अध्यक्ष समाजसेवी स.सिं. सुधीर जैन, पूर्व विधायक सुकीर्ति जैन के विशिष्ट आतिथ्य में उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में धर्मप्रभावना के क्षेत्र में अपना सक्रिय योगदान दे रहे समाजसेवी स.सिं. संतोष कुमार मालगुजार, सुभाष चंद्र जैन, सिं. प्रेमचंद प्रेमी, प्रमोद जैन कक्का, अजित सिंघई, एड. मिथलेश जैन, श्रीमती राजककुमारी जैन का सामाजिक सम्मान अभिनंदन जैन, कैलाश जैन सोगानी, संतोष शास्त्री, देवेन्द्र जैन, अंकित जैन, मयंक जैन, पुस्कर सिंघई, बालचंद जैन, संजय जैन, नंदू चौधरी, रजत जैन, अर्पित जैन, वैभव जैन, सुबोध सिंघई, प्रवीण जैन, शैलेन्द्र जैन, सुदीप मोदी, विजय वैद्य, विक्की जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मंगलाचरण महिला मंडल द्वारा संचालन संजय सिंघई, ब्रजेश जैन, अनिल जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अरविन्द सिंघई, डॉ. शिखर जैन, बालचंद जैन, संदीप जैन, सतीश जैन, राजेन्द्र जैन रज्जन, शैलेन्द्र जैन कंजे के साथ बड़ी संख्या में धर्मानुरागी श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मंदिर में महामस्तकाभिषेक पूजन एवं शांति विधान

प्रातः मंदिर जी में महामस्तकाभिषेक पूजन एवं शांति विधान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित जनों ने मानव सेवा जीव दया के क्षेत्र में कार्य करने की प्रतिज्ञा की गई। मंचासीन अतिथियों द्वारा आचार्य श्री के चित्र का अनावरण कर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। हाऊजी गेम एवं वात्सल्य भोज के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज-शाखा) कटनी, मध्यप्रदेश

क्रमांक/2303/ खनिज/उ.प./2022 E-mail ID :- modgmkat@mp.gov.in कटनी, दिनांक: 14-10-2022

// सूचना //

(म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18-क)

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक मेंसर्स लक्ष्य मिनरल्स, भागीदार श्री अजीत सिंह, प्लाट नंबर 235, अमकुही इण्डस्ट्रियल एरिया,कटनी (म0प्र0) के द्वारा म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18-क के तहत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 19.09.2022 को प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत आवेदन पत्र का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा (हे0 में)	भूमि का प्रकार निजी/अन्य भूमिस्वामी की सहमति प्राप्त	खनिज का नाम	रिमार्क
1	2	3	4	5	6	7	8
कटनी	बड़वारा	भादावर	679	0.530	अन्य भूमिस्वामी की सहमति प्राप्त	डोलोमाईट	
			680	0.430			
			684	0.540			
			694	0.560			
			695	1.030			
			752/673	1.220			
योग				4.3100			

उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो अथवा इस संबंध में कोई अन्य दावा प्रस्तुत करना चाहता है तो इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिवस के भीतर कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) जिला कटनी में आपत्ति का लेख/कारण दर्शाते हुये लिखित रूप से प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि के उपरांत प्रस्तुत किसी भी आपत्ति/दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
(खनिज शाखा)। जिला-कटनी म.प्र

G18631/22 दो गज की दूरी मास्क है जरूरी

OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION KATNI, DIST-KATNI

Section-1 (Third Call) Notice Inviting e-tender

N.I.T. No. 536 A/WWD/AMRUT/2022-23 Dated : 27/10/2022

Online Lumpsum bids for the following balance works of sewerage network under "AMRUT" are invited from registered contractors and firms of repute fulfilling eligibility criteria.

S. No.	Work	Probable Amount (In Lacs)	Completion period (Months)
1.0	Survey, Design, Construction and commissioning of Sewerage Network in KATNI Municipal area including. 1.0 Providing laying and jointing of sewerage pipelines including construction of manholes and sewer appurtenances. 2.0 Construction, supply, erection and commissioning of sewerage treatment plant and RCC sumpwell along with providing and installation of pumps from sumpwell to STP. 3.0 Providing house sewer chambers and laterals for connecting sewer to consumer sewer lines. 4.0 Providing and laying of HT feeder connection upto sewerage treatment plant. 5.0 Providing house sewerage connections.	Rs. 5098.67	18 Months including season

(1) Interested Bidder can view the NIT on website http://www.mptenders.gov.in and www.mpurban.gov.in (2) The Bid Document can be purchased only Online from 10:00 AM of 28-10-2022 to 18:00 PM of 14-11-2022 (3) Amendment to NIT, if any, would be published on website only, and in Newspaper. (4) GST shall be payable as per Covt. rules.

The Bidder shall operate and maintain the Sewerage system including previously laid lines of terminated contract of KATNI for 10 years after successful completion of the works as per Tender. The initial period of 5 years after completion shall be treated as Defect Liability Period (DLP).

Executive Engineer for Commissioner
Municipal Corporation, Katni

यदि आप तक समय पर यश भारत नहीं पहुंच रहा है तो संपर्क करें फोन:- 230033

cello सेलो फर्नीचर
एकमात्र अधिकृत वितरक

Auth. Distributor-Cello, Natasha Almirah Almirah, Molded Furniture
विश्वकर्मा फर्नीचर
विश्वकर्मा मार्केट, मधई मंदिर रोड कटनी,
फोन- 230557, मो. 9826082251
Email-gopivishwakarma@gmail.com

किराये से देना है
सिंगल रूम अटैच 3000 प्रतिव्यक्ति, 22 बाई 50 का हॉल सर्विस वालों एवं ऑफिस, बैंक, कार्यालय गोदाम के लिए
पता-बीजेपी कार्यालय के सामने, जबलपुर रोड बरगवां, कटनी (म.प्र.) मो. 8109417340

JOHNSON Not just tiles, Lifestyles.

सभी प्रकार के ग्रेनाईट टाईल्स, इटेलियन मार्बल, सिन्क, कोटा, कड़प्पा पत्थर होलसेल रेट पर मिलने का एकमात्र स्थान
समर्थ मार्बल एण्ड ग्रेनाईट
पता- जॉकी शोरूम के पास में कटनी-जबलपुर रोड, बरगवां, मो. 9425153498, 7067666668

कटनी की प्रथम अत्याधुनिक
32-96 स्लाइस की मशीन
एडवांस्ड
सिटी स्कैन एवं एक्सरे सेन्टर
ई.सी.जी. रिपोर्टिंग मशीन सुविधा उपलब्ध
शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक चौदहा की क्लीनिक के सामने
आधुनिक टेक्नालाजी अपनाएं, बेहतर रिजल्ट पाएं
जालपा वार्ड, घंटाघर रोड, कटनी
9893723087, 8319994375, 8103404843 फोन 07622-494511

mgm HOSPITAL
कटनी की पहली और एकमात्र
एम.आर.आई. जाँच सेंटर
एमजीएम हॉस्पिटल में अब सीटी स्कैन के साथ, एमआरआई जाँच की सुविधा उपलब्ध है।
24X7 HELPLINE NUMBER 07622-405070
एम.जी.एम. हॉस्पिटल, कटनी (म.प्र.)
Web- www.mgmhospitalkatni.com, email- info@mgmhospitalkatni.com

SHRI HOSPITAL KATNI
डॉ.दीपक सक्सेना डॉ.शोभना सक्सेना
विश्वसनीय आईसीयू केयर, जनरल दूरबीन एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन, फिजीशियन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
सुपर स्पेशलिस्ट विशेषज्ञ द्वारा दांतों के सभी प्रकार के इलाज की सुविधा उपलब्ध है।
डॉ. शोभित प्यासी बी.डी.एस./एम.डी.एस. रूट कैनाल विशेषज्ञ
डॉ. उपासना स्थापक बी.डी.एस./एम.डी.एस. पाइरिया एवं इम्पलांट विशेषज्ञ
संपर्क करें: श्री हॉस्पिटल एम०एम० चौबे वार्ड बरगवां कटनी
9425325316, 9425151543, 9752414316

Tuesday Offer @99/- Available On All Seats Except Recliners
CINEWORLDZ CINEMA KATNI by CMW
Mittal MALL
Paytm
bookmyshow
From 28th October 2022

TIMINGS MAY CHANGE FOR CURRENT UPDATE VISIT ON BOOK MY SHOW & PAYTM
2nd Floor, Mittal Mall, Beside Mittal Enclave, Collectorate Road, Katni M.P.
Contact No. 9993123830

संपादकीय

बीसीसीआई का फैसला

भारतीय महिला क्रिकेटर्स के लिए बीते 27 अक्टूबर का दिन बेहद खास रहा है.भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने उन्हें दिवाली के बाद स्पेशल गिफ्ट दिया है। क्रिकेट बोर्ड ने एक नई पॉलिसी लागू करते हुए अब मैच फीस के तौर पर महिला और पुरुष के बीच के भाव को ही खत्म कर दिया है.यह महिला सशक्तिकरण की उठाया गया सराहनीय कदम है। इस तरह हम महिला क्रिकेट के नये दौर में प्रवेश कर गये हैं। पहले महिलाओं को औसतन प्रतिदिन मैच फीस पुरुषों के मुकाबले तीन गुना कम मिला करती थी. बीसीसीआई ने अब एक वेतन इक्विटी पॉलिसी लागू की है, जिसके तहत महिला क्रिकेटर्स को भी पुरुषों के बराबर मैच फीस मिलेगी। बहरहाल खेलों में लैंगिक समानता की दिशा में उठाया गया बीसीसीआई का यह कदम स्वागत योग्य है। इससे पहले बीसीसीआई ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि आईपीएल की तर्ज पर ही अब महिला इंडियन प्रीमियर लीग का आयोजन किया जायेगा। लगता है राष्ट्रमंडल खेलों में महिला क्रिकेट टीम द्वारा रजत पदक जीतने तथा पिछले दिनों महिला एशिया कप जीतने के बाद बीसीसीआई ने स्वीकार किया कि भारत की बेटियां अब दुनिया के क्रिकेट में दमखम दिखाने लगी हैं। इस फैसले से महिला क्रिकेटर्स की कमाई में कितना अंतर आएगा? यदि औसतन तुलना की जाए तो अब तक सीनियर महिला क्रिकेटर्स को घरेलू क्रिकेट में प्रतिदिन मैच के लिए 20 हजार रुपये फीस मिलती थी. यह किसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेटर के लगभग बराबर ही थी. जबकि सीनियर पुरुष खिलाड़ी प्रतिदिन मैच फीस के तौर पर औसतन 60 हजार रुपए कमाई करते हैं. ऐसे में महिला और पुरुषों के .के बीच यह तीन गुना का बड़ा अंतर था. मगर अब यह भेदभाव भी दूर हो जाएगा. जबकि 2022 से पहले महिला क्रिकेटरों को मैच फीस के तहत सिर्फ 12,500 रुपये दिए जाते... यहां गौर करने वाली बात है कि बीसीसीआई ने जो नई पॉलिसी लागू की है, वह सिर्फ मैच फीस को लेकर है. सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को लेकर नहीं है. यानी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में अब भी महिला और पुरुषों के बीच काफी बड़ा अंतर है. जहां पुरुषों के लिए चार कैटेगरी है, तो वहीं महिलाओं के लिए सिर्फ तीन ही कैटेगरी... तीन ही कैटेगरी निर्धारित हैं.पुरुष क्रिकेटर्स को ए कैटेगरी में 5 करोड़ रुपये सालाना मिलते हैं. जबकि महिलाओं में ए कैटेगरी वाली खिलाड़ियों को सिर्फ ... 50 लाख रुपये ही मिलते हैं. यानी यहां 10 गुना का अंतर है. इसी तरह बी और सी कैटेगरी में भी इतना ही अंतर है. जबकि ए+ कैटेगरी वाले पुरुष खिलाड़ियों को करोड़ रुपये सालाना मिलते हैं। बीसीसीआई के फैसले के बाद अब महिला क्रिकेटरों को पुरुष क्रिकेटरों के समान ही प्रति टेस्ट मैच 15 लाख रुपये, अंतर्राष्ट्रीय वन डे के लिये छह लाख रुपये और टी-20 के लिये तीन लाख रुपये मिलेंगे। उल्लेखनीय है कि समान वेतन की यह नीति उन्हीं खिलाड़ियों पर लागू होगी, जिनके साथ बीसीसीआई अनुबंध करता है। लेकिन अभी बीसीसीआई के साथ अनुबंधित खिलाड़ियों को मिलने वाली अनुबंधित राशि में पुरुष खिलाड़ियों के मुकाबले काफी अंतर है। जिसके समान होने में अभी काफी वक्त लगने वाला है। इसकी एक वजह यह भी है कि बाजार ने अभी महिला क्रिकेटर पर कम ही पैसा लगाया है। उम्मीद है कि महिला क्रिकेट जब कमाऊ हो जायेगा तो केंद्रीय अनुबंध में भी इजाफा होगा। दरअसल, दिक्कत यह है कि पुरुष क्रिकेट के मुकाबले अभी महिला क्रिकेट के अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले कम ही होते हैं। पुरुष क्रिकेटरों को ज्यादा स्पॉन्सर्स मिलते हैं, जिससे उनकी ब्रांड वैल्यू बढ़ जाती है। इसके बावजूद पिछले कुछ वर्षों में महिला क्रिकेट ने खूब तरक्की की है। उसके खिलाड़ी अब पहचान बनाने लगे हैं। उनकी फैन फोलोइंग बढ़ रही है। मैदान पर दर्शक भी जुटने लगे हैं। ऐसे में जब महिला क्रिकेट स्वीकार्यता बढ़ाने लगेगी तो निश्चित रूप से वह केंद्रीय अनुबंध में पुरुष क्रिकेटरों जितनी राशि हासिल कर सकेगी।

एलन मस्क की चिड़िया आजाद हुई या हाथी उड़ गया

बचपन में हममें से बहुतों ने चिड़िया उड़ का खेल खूब खेला है। इस चक्कर में चिड़िया भले ही न उड़ी हो लेकिन हाथी को जरूर उड़ा दिया। बड़ा मजेदार खेल था। लगभग इसी तर्ज पर मालिकाना हक बदलते ही ट्वीटर की चिड़िया के पर आसमान को छूने लगे हैं। दुनिया के सबसे प्रभावशाली सोशल मीडिया मंच ट्वीटर को पूरी स्वतंत्रता देने का दंभ भरने वाले ट्वीटर के नए मालिक एलन मस्क का ऐक्शन कितना कामियाब होगा कहना जल्दबाजी होगी। फिलाहाल नए मालिक के आते हजारों नौकरियों पर खतरा मंडरा रहा है वहीं चिड़िया की आजादी की दुहाई बेमानी लगती है। जहां वो इंसानियत की मदद करने की बात कहते हैं वहीं दूसरी ओर ऐसे सार्वजनिक मंच की बात भी करते हैं जो मानव सभ्यता के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र हो। उनकी सोच को लेकर भले ही विश्व से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आएं लेकिन भारत में काफी मायूसी जरूर होगी, होनी भी चाहिए। ये तो आने वाला वक्त बताएगा कि वो किस तरह से ट्वीटर के जरिए स्वतंत्रता की रक्षा कर पाते हैं। बहरहाल तमाम पेचीदगियों, कानूनी लड़ाई और बहुत मंहगी डील के बाद अब एलन मस्क बतौर मालिक अपना रौब दिखा रहे हैं।

ट्वीटर अमेरिका में ही पहले से खेमेबाजी में बंटा हुआ है। वहां के दक्षिणपंथी आरोप लगाते रहे हैं कि उनकी आवाज दबायी जाती रही। सबने देखा कि जनवरी 2021 में जिस तरह पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रम्प के ट्वीटर एकाउण्ट को हिंसा करने वाले उनके समर्थकों को क्रांतिकारी बताने तथा एक अन्य ट्वीट में बाइडेन के शपथ ग्रहण में नहीं जाने के ट्वीट पर कड़ा फैसला ले पहले लॉक किया फिर स्थायी रूप से बन्द कर दिया। ट्वीटर को लाभ के हिसाब से ट्रम्प बेहद फायदेमन्द थे और करीब 9 करोड़ फॉलोअर भी थे। 14 महीने बाद मई 2022 में एलन मस्क के एक बयान ने सबका ध्यान खींचा जिसमें कहा गया कि वो पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्विटर अकाउंट के प्रतिबंध को हटाएंगे। उन्होंने ट्रंप के ट्विटर खाते बैन के फैसला नैतिक रूप से गलत बताया था। लेकिन जैसे ही मस्क के ट्वीटर को टेकओवर करने की बातें उजागर हुई तो ट्रम्प की बधाई और उनके एकाउणाट को रिस्टोर करने के बयान ने भविष्य का रास्ता दिखाने का काम किया जिसमें साफ किया गया कि जो बातें हो रही हैं वो फर्जी है तथा डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से एलन मस्क के ट्विटर को टेकओवर करने को लेकर कोई भी बयान जारी नहीं किया गया है। फैलाया जा रहा बयान फर्जी है।

27 अक्टूबर की जैसे ही ट्वीटर खरीदी समझौता पूरा होते ही एलन मस्क ने सबसे पहले इसके भारतीय मूल के सीईओ पराग अग्रवाल को बाहर कर दिया जो कि अभी साल भर भी कंपनी में नहीं रह पाए थे। वो बीते साल नवंबर में आए थे। सुना तो यहां तक जा रहा है कि ट्विटर के चीफ फाइनेंसियल नेड सीगल और भारतीय मूल के जनरल काउंसल विजया गाड़े को भी बर्खास्त कर दिया है। इसके पीछे चंद महीनों चली कानूनी जंग और मुकदमे बाजी भी है क्योंकि एलन मस्क जून में ट्वीटर पर स्पैम बॉट्स और फर्जी खातों की जानकारी छिपाने और विलय समझौते का उल्लंघन करने के गंभीर आरोप लगा डील से बाहर हो गए थे।

पूरा माजरा जानने के लिए ट्वीटर सौदे की प्रक्रिया को थोड़ा जानना होगा। इसी साल 4 अप्रेल को मस्क ने कहा था कि उनके पास ट्वीटर के 9 प्रतिशत शेयर हैं इसलिए

वो सबसे बड़े शेयर होल्डर हैं। जब ट्वीटर ने बोर्ड ऑफ डायरेक्टर में शामिल होने का न्यौता दिया गया तो उन्होंने 9 अप्रेल को ठुकरा दिया। 13 अप्रेल को मस्क ने ट्वीटर के 54.2 प्रति शेयर खरीदने का पहला और अंतिम न्यौता दिया जो करीब 40 बिलियन डॉलर था। ट्वीटर इसे मान गया। लेकिन 13 मई को एलन मस्क ने डील यह कह रोक दी कि ट्वीटर में बहुत से फर्जी एकाउण्ट्स हैं और रोबोट्स भी फर्जी एकाउण्ट्स चलाते हैं। यह पूरी जानकारी उन्हें डील फाइनल होने से पहले दी जाए। जानकारी पराग अग्रवाल ने ट्वीटर पर ही एक लंबा थ्रेड जारी कर प्रदान करत हुए देते हुए सफाई भी दी कि फर्जी खातों को कम करने की दिशा में काम जारी है। पराग के जवाब का उन्होंने एक इमोजी के साथ मजाक उड़ाया और 8 जुलाई को जवाब दिया कि वो आगे इस डील को पूरी नहीं करेंगे क्योंकि उन्हें गलत व आधी-अधूरी जानकारी देकर गुमराह किया गया है। दोनों के मतभेदों की बातें कई बार सार्वजनिक हुई। ट्वीटर पर ही कई तरह के तर्क-वितर्क और आपसी नोंकझोंक भी सामने आई जो ट्वीटर पर ही खूब ट्रोल भी हुई। तभी से यह लगने लगा था कि आते ही वो सबसे पहले पराग को ही बाहर का रास्ता दिखाएंगे जो कर दिया। 12 जुलाई को ट्वीटर ने अमेरिका के डेलावेयर कोर्ट में डील तोड़ने का मुकदमा दायर कर दिया था। इसके जवाब ने एलन मस्क ने 29 जुलाई 2022 को एक प्रतिदावा प्रस्तुत किया जिसमें ट्वीटर पर गलत जानकारी देने के तमाम प्रमाण प्रस्तुत किए। इसी बीच 13 सितंबर को 40 बिलियन की डील को शेयर होल्डर्स ने स्वीकरा जिसके बाद 3 अक्टूबर को मस्क ने पुरानी बातों को दरकिनार ट्वीटर खरीदने की बात साफ की और कोर्ट ने भी मान लिया। 26 अक्टूबर को हाथ में चसिंकज्लेकर ट्विटर के मुख्यालय पहुंचे थे जिसका वीडियो भी जारी किया और अपना ट्विटर-बायो भी बदल कर चीफ ट्वीट कर लिया। इस तरह 27 अक्टूबर को 44 बिलियन डॉलर का यह सौदा पूरा होते ही ट्वीटर की चिड़िया अपने नए मालिक एलन मस्क के हाथों में पहुंच गई।

अब विश्व पटल पर इस सबसे सशक्त सोशल मीडिया माध्यम को लेकर तमाम सवाल उठ रहे हैं जो वाजिब भी हैं। ट्वीटर में आगे किस-किस तरह के और कितने बदलाव होंगे? इस बारे में मस्क की एक चिट्ठी बेहद महत्वपूर्ण है जो उन्होंने अपने सारे विज्ञापन दाताओं और प्रदाताओं को लिख एक तरह से अपनी रणनीति, भूमिका व भविष्य का इशारा भी कर दिया। इसमें कहा गया है कि उनका वाद-विवाद का एक सामान्य टाउन स्क्वायर बनाने की उनकी मंशा है ताकि वाम व दक्षिण की जो धड़ेबाजी दिखती है जो नफरत फैला, लोगों को बांटने का काम करती है रोकेंगे ताकि किसी ध्रुवीकरण का हथियार ट्वीटर न बने। ट्वीटर को न्यूट्रल यानी गुटनिरपेक्ष माध्यम बनाएंगे। मस्क का साफ तौर कहना कि सोशल मीडिया से नफरत और बंटवारे का एक बड़ा खतरा होता जिसे वो बदलेंगे। उन्होंने दूसरे पारंपरिक सोशल मीडिया मंच पर भी उंगली उठाते हुए कहा कि यहां पर किसी एक पक्ष को ही महत्व मिलता है लेकिन वो ट्वीटर के साथ ऐसा नहीं करेंगे और पूरी तरह से निष्पक्ष रखेंगे। वो एक स्वस्थ व निष्पक्ष संवाद के पक्षधर हैं जो अब सोशल मीडिया पर कम हो गया है। ट्वीटर को खरीदने का अहम मकसद बताते हुए एलन मस्क यह बड़ी बात भी कहते हैं कि वो मानवता से बेहद प्यार करते हैं और इसे मदद करना चाहते हैं इसलिए ट्वीटर को लिया है। ट्वीटर पर नफरती बातों और जहर उगलने की हरकतों को बिल्कुल नहीं होने दिया जाएगा। दूसरी तरफ कहते हैं कि ट्वीटर पूरी तरह से आजाद नहीं होगा प्रतिबंधों के साथ चलेगा ताकि गलत अफवाहों का फैलाव न कर गर्मजोशी से भरा हो और सबका स्वागत करे।

एलेन मॉस्क की आदर्श सोच के बाद उन पर ही सवालिया निशान उठने स्वाभाविक है कि वो किस तरह से सबके लिए स्वतंत्र होने के बाद जांच और प्रतिबंध लगा पाएंगे? अफवाहों व झूठी खबरों पर कैसे काबू पाएंगे? एलन मस्क की कार्यप्रणाली या भविष्य के संकेतों से संदेह लाजिमी है। अब आगे ट्वीटर की चिड़िया कितनी आजाद होगी और वो खुले आसमान की कितनी ऊंचाइयों को छू पाएगी यह तो नहीं मालूम अगर मालूम है। हां मस्क के आते ही उन्होंने भारत सहित तमाम को बाहर का रास्ता दिखाकर भारत सहित दुनिया भर में एक नई बहस को जन्म जरूर दे दिया है। बस थोड़े इंतजार के बाद ही पता चल पाएगा कि न-न करते एलन मस्क की चिड़िया आजाद हुई या हाथी उड़ गया?

-ऋतुपर्ण दवे
(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

आपका राशिफल 1 नवम्बर

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

फिल्म वर्ग पहेली- 5973

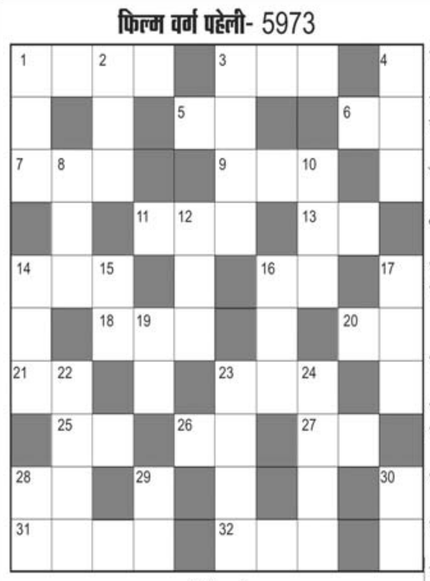

ऊपर से नीचे:-
१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. अजय देवगन, तब्बू की 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'खुशी' में फरदीन की नायिका?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली राजकुमार, राजेशखन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनील दत्त, नूतन की फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म?-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, नालासिन्हा की 'आज गालो मुस्करा लो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की एक फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-
१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरुख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, शरद, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि कपूर, जेबा, अश्विनी भावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में रणधीरकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है?-३

फिल्म वर्ग पहेली- 5972 (हल)

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 6485

★★★ मध्यम

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6484 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

अब मंगल पर बस्ती बसाने की तैयारी

भविष्य में मनुष्य को मंगल ग्रह पर भेजने की योजना है। यह एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण मिशन होगा। लाल ग्रह पर सुरक्षित उतरना,वहां ठहरना और वहां से सुरक्षित लौटना सबसे ब?ी चुनौती है। मंगल मिशन की राह को आसान बनाने के लिए इंजीनियर और शोधकर्ता कई तरह के प्रयोग कर रहे हैं। उनका मुख्य फोकस लाल ग्रह के स्थानीय संसाधनों के उपयोग पर है। वहां ऑक्सीजन उत्पादन का नासा के इंजीनियरों का प्रयोग सफल रहा है। अब शोधकर्ताओं ने मंगल की मिट्टी के उपयोग से महत्वपूर्ण कलपुर्जों और रॉकेट के हिस्सों की 3डी प्रिंटिंग का रास्ता खोज लिया है। इस सफलता के बाद भविष्य में अंतरिक्ष भ्रमण न सिर्फ सस्ता होगा बल्कि ज्यादा व्यावहारिक भी हो जाएगा। यदि मनुष्य को भविष्य में मंगल पर अपनी बस्तियां बसानी हैं तो सबसे पहले उसे अपने अस्तित्व के लिए ग्रह पर ही अधिकांश खाद्य वस्तुओं और आवश्यक कलपुर्जों के उत्पादन के तरीके खोजने होंगे। ऐसा इसलिए जरूरी है क्योंकि अंतरिक्ष में सामग्री ले जाना बहुत महंगा प?ता है। उदाहरण के तौर पर नासा के अंतरिक्ष यान को पृथ्वी की कक्षा में केवल एक किलो का पेलोड डालने में लगभग 54,000 डॉलर (करीब पांच करो? रुपये) का का खर्च आता है। इसलिए जो कुछ भी ग्रह पर बनाया जा सकता है उससे अंतरिक्ष यान का वजन कम होगा और धन की भी बचत होगी। अगर कोई टूट-फूट होती है तो अंतरिक्ष यात्रियों को उसे मौके पर ही ठीक करने के उपाय की आवश्यकता होगी। ऐसी स्थिति में स्थानीय संसाधनों का उपयोग बहुत उपयोगी होगा। वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी (डब्ल्यूएसयू) के शोधकर्ताओं ने मंगल की सतह पर धूल का उपयोग करके कलपुर्जे बनाने का तरीका खोजा है। उनके अनुसार, मंगल की पांच प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत मिट्टी का उपयोग करके उपकरण बनाये जा सकते हैं। शोधकर्ताओं ने प्रयोग के लिए जिस पदार्थ का उपयोग किया वह मंगल पर पाये जाने चट्टानी पदार्थ से मिलता-जुलता है। यह पदार्थ रोबोटिक आर्म या रोवर द्वारा एकत्र किया जा सकता है। डब्ल्यूएसयू के स्कूल ऑफ मैकेनिकल एंड मैटेरियल्स इंजीनियरिंग के प्रोफेसर अमित बंद्योपाध्याय ने कहा कि अंतरिक्ष में मानव मिशन के लिए 3डी प्रिंटिंग अनिवार्य होगी क्योंकि हम वास्तव में पृथ्वी से सब कुछ नहीं ले जा सकते। बंद्योपाध्याय और उनके सहयोगियों ने मंगल की नकली मिट्टी को टाइटेनियम मिश्र धातु के साथ मिलाया। इसके लिए उन्होंने पाउडर-आधारित 3डी प्रिंटर का उपयोग किया। सुदृ?ता और गर्मी प्रतिरोधी गुणों के कारण टाइटेनियम का उपयोग अक्सर अंतरिक्ष अन्वेषण में किया जाता है। शोधकर्ताओं ने पदार्थ को गलाने के लिए उच्च शक्ति वाली लेज़र का उपयोग किया। पिघले हुए मिश्रण को फिर एक चलते हुए प्लेटफॉर्म पर डाला गया। इससे पदार्थ को विभिन्न आकारों में बदलना आसान हो गया। सामग्री के ठंडा होने के बाद शोधकर्ताओं ने ताकत और स्थायित्व के लिए इसका परीक्षण किया। उन्होंने पाया कि टाइटेनियम मिश्र धातु के साथ मंगल की मिट्टी मिलाने से एक बहुत ही सुदृ? पदार्थ बनता है जिसका प्रयोग लाल ग्रह पर कलपुर्जे और रॉकेट के हिस्से बनाने के लिए किया जा सकता है।

प्राणवायु पैदा करने का प्रयोग

इस बीच, मंगल की सतह पर लंच बॉक्स के आकार का एक उपकरण यह साबित कर रहा है कि वह एक छोटे पेड़ का काम विश्वसनीय ढंग से कर सकता है। यह उपकरण दरअसल फरवरी 2021 से लाल ग्रह के कार्बन-डाइऑक्साइड युक्त वातावरण से ऑक्सीजन बना रहा है। नासा के मोक्सी (मार्स ऑक्सीजन इन-सिटू रिसोर्स यूटिलाइजेशन एक्सपेरिमेंट) प्रयोग के लिए इस उपकरण को पिछले साल के आरंभ में पर्सीवरेंस रोवर के साथ मंगल पर भेजा गया था। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के वैज्ञानिकों द्वारा संचालित मोक्सी प्रयोग का उद्देश्य लाल ग्रह पर स्थानीय संसाधनों के उपयोग से ऑक्सीजन बनाना है। साइंस एडवांसेज जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बताया कि 2021 के अंत तक मोक्सी विभिन्न वायुमंडलीय परिस्थितियों और मंगल के विभिन्न मौसमों के दौरान, रात और दिन में सात बार ऑक्सीजन का उत्पादन करने में सफल रहा। प्रत्येक प्रयोग में यह उपकरण प्रति घंटे छह ग्राम ऑक्सीजन के उत्पादन के अपने लक्ष्य तक पहुंच गया। पृथ्वी पर एक मामूली पेड़ इसी दर पर ऑक्सीजन का उत्पादन करता है।

मुकुल व्यास

विचार प्रवाह

आशीर्वाद मांगने से नहीं, स्वत: मिलता है। आशीर्वाद एक सहज घटना है और यह घटना जब घटती है, तब न तो देने वाले को पता चलताहै कि उसने कुछ दिया है और न पाने वाले को पता चलता है कि उसे कुछ मिला है। सिर्फ पिच्छी लगाना ही आशीर्वाद नहीं होता। मुनि ने हाथ उठा दिया यह भी आशीर्वाद है, देख लिया यह भी आशीर्वाद है और मुस्कुरा दिया यह भी आशीर्वाद है।

-मुनिश्री तरुण सागर

शब्द पहेली - 7525

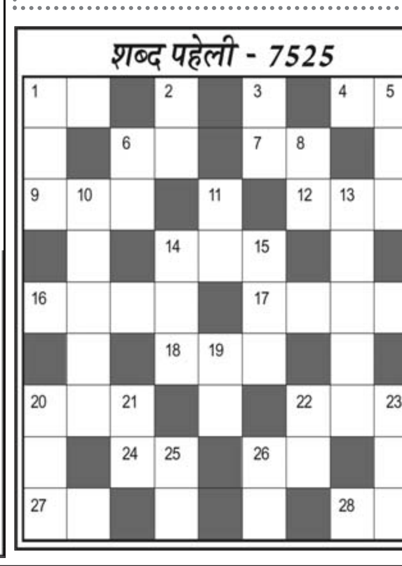

बाएँ से दाएँ
1.निशा,रात (उर्दू-2)
4.ताला (अंग्रेजी-2)
6.दुलारा,लाडला-2
7.बढ़ावा,समर्थन-2
9.निवास,घर,नीड़-3
12.कमी-3
14.पनाह,आश्रय-3
16.अंगूठे से तीसरी अंगुली, सावित्री-4
17.सज्जनता,सभ्यता-4
18.गिरवी रखी वस्तु-3
20.एक राशि-3
22.दबाव (अंग्रेजी-3)
24.कुल,मुनाफा-2
26.उम्मीद,आशा-2
27.मादा का विलोम-2
28.आगमन-2

ऊपर से नीचे
1.मदिरा,मय-3
2.ऐश्वर्या व अक्षय खन्ना की फिल्म-2
3.सम्मान,प्रसिद्धि-2
5.डोली उठाने वाले-3
6.वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम के कप्तान-2
8.अधिकार-2
10.सेनापति,कप्तान-2,3
11.पति की मां-2
13.आत्मबलिदानी -5
14.कद काठी-3
15.रसद,किराणा-3
19.प्रत्येक-2
20.मैला,अस्वच्छ-3
21.मिट्टी,धूल-2
22.छापाखाना-2
23.जिव्हा,जीभ-3
25.सम्मान-2
26.फलों का राजा-2

शब्द पहेली -7524 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दुबारा लाड़ली लक्ष्मी योजना की शुरूवात

भोपाल,यशभारत। मध्य प्रदेश में लड़कियों के सम्मान के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दुबारा लाडली लक्ष्मी योजना की शुरूवात की है। 2 नवंबर को एक बार फिर लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 कार्यक्रम होने जा रहा है। इस कार्यक्रम से पहले भोपाल को बड़ी सौगात मिलने जा रही है। राजधानी की लिंक रोड नंबर-दो का नामकरण होन जा रहा है। अब यह सड़क च्लाड़ली लक्ष्मीज पथ के नाम से जानी जाएगी। जानकारी के अनुसार 2 नवंबर को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इस सड़क का नामकरण करेंगे। नामकरण कार्यक्रम भारत माता चौराहा पर होगा।

जिसके बाद रविंद्र भवन में राज्य स्तरीय ला?ली लक्ष्मी प्रोत्साहन राशि वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें कालेज जाने वाली करीब डेढ़ हजार लाड़लियां और उनके अभिभावक शामिल होंगे। राज्य सरकार ने कुछ दिन पहले ही निर्णय लिया था कि प्रदेश के सभी जिला मुख्यालय की एक सड़क का नाम लाड़ली लक्ष्मी पथ रखा जाएगा।

दरअसल पूरे प्रदेश में 42 लाख लाड़ली लक्ष्मी हैं। इनमें से करीब डेढ़ हजार बालिकाओं ने इस साल कालेज में प्रवेश लिया है। इन्हें कालेज की पढ़ाई पूरी होने पर फिर से 12 हजार रुपये से ज्यादा की राशि प्रदान की जाएगी। यह कार्यक्रम च्मध्य प्रदेश के स्थापना दिवसज कार्यक्रम के तहत किया जा रहा है।

सभी जिलों लाड़ली लक्ष्मी पथ -वाटिका का नामकरण

बताया जा रहा है कि राजधानी भोपाल के साथ ही सभी जिलों में भी 2 नवंबर को लाड़ली लक्ष्मी पथ और वाटिका का नामकरण किया जाएगा। इस कार्यक्रम में लाड़लियों के

अभिभावक और स्थानीय जन प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा। वे वाटिका में पौधारोपण भी करेंगे। बताया जा रहा है कि इस कार्यक्रम में महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं को बुलाया जाएगा। वहीं राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कालेज जाने वाली बेटियों को 12500 रुपये की प्रोत्साहन राशि देंगे। ला?ली लक्ष्मी योजना 2.0 में यह प्रविधान किया गया है। इनमें अभिभावकों को पीले चावल देकर आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही ग्राम पंचायत, नगर पंचायत, नगरपालिका परिषद और जिला मुख्यालयों पर लाड़ली लक्ष्मी उत्सव के कार्यक्रम की सफलता के लिए भाजपा महिला मोर्चा विभिन्न् योजनाओं के हितग्राहियों से संपर्क करेंगे।

शिवराज बोले- कांग्रेस और पंडित नेहरू ने भारत को बांटा, भारत जोड़ो यात्रा किसे एकजुट करेगी?

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान) ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस पर देश को च्विभाजितज करने का आरोप लगाया। साथ ही सवाल किया कि राहुल गांधी की अगुवाई में चलाई जा रही च्भारत जोड़ो यात्राज का मकसद किसे एकजुट करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि कर्नाटक में भाजपा एक बार फिर सत्ता में आने वाली है। सिंह चौहान ने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं जो देश के लिए काम कर रहे हैं तो दूसरी तरफ राहुल बाबा हैं जो भारत जोड़ों यात्रा कर रहे हैं। श्रीमान राहुल गांधी, हमें बताएं- भारत को किसने तोड़ा सन 1947 में जल्द से जल्द सत्ता पाने की चाहत के साथ, अगर किसी ने देश को विभाजित किया, तो वह पंडित जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस थे।

घाट पर एक ट्रक से टकराए तीन ट्रक, और... चारों का सामान एक ही जगह बिखर गया

भोपाल, ईएमएस। दमोह-कटनी मार्ग पर अजीबोगरीब सड़क हादसा हुआ। सड़क पर खड़े एक बिगड़े कंटेनर से तीन ट्रक टकराकर खाई में पलट गए। इससे इन ट्रकों में भरा सामान सड़क पर फैल गया। आवागमन बाधित हो गया। निकलने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। घटना की जानकारी लगते ही कुम्हारी थाना और पटेरा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक हादसों में घायल लोगों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। यह सभी हादसे सुबह से लेकर रात के बीच हुए। घटना स्थल पर सभी क्षतिग्रस्त ट्रक पलटे पड़े हैं। घटना पन्ना के रैपुरा से आठ किमी दूर कुआखेड़ा और दमोह जिले के कुम्हारी के बीच पड़ने वाले घाट की है। यह घाट दुर्घटनाओं के लिए जाना जाता है। घटना के अनुसार सुबह ग्रेनाइट पत्थर से भरा एक कंटेनर घाट पर ही खराब हो गया था। इससे कंटेनर पुल पर बंद खड़ा था। इसी दौरान रीवा से सीमेंट लेकर दमोह की ओर आ रहा ट्रक क्रमांक आरजे 09 जीसी 1631 घाट पर पहुंचते ही अनियंत्रित हो गया। इस खराब कंटेनर से जाकर टकरा गया। टक्कर इतनी तेज हुई कि सामने खड़े कंटेनर की पूरी बॉडी चेजिज से उतरकर रोड से नीचे छोटी खाई में जा गिरी। एक व्यक्ति को कंटेनर के अंदर बैठा था, वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया। सीमेंट से लोड ट्रक भी टक्कर के बाद सड़क पर ही पलट गया। सीमेंट की बोरियां सड़क पर फैल गई। कुछ घंटे बाद ही एक और ट्रक घाट पर अनियंत्रित होकर सड़क पर पलटे ट्रक से टकराकर पलट गया। सुबह छह बजे एक रेत से लोडेड डंपर भी घाट पर अनियंत्रित होकर सीमेंट वाले ट्रक से टकराकर पलट गया। उसकी पूरी रेत सड़क पर फैल गई। एक ट्रक से टकराकर तीन ट्रकों के पलटने की घटना से हर कोई हैरान है। आखिर ऐसा कौन-सा मोड है, जहां वाहन अनियंत्रित होकर एक-दूसरे से टकरा गए। एक साथ चार ट्रकों के सड़क पर पड़े होने से दमोह-कटनी मार्ग से गुजरने वाले वाहनचालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

आईपीएस शैलेष सिंह पर 90 साल की मां ने लगाया प्रॉपर्टी

हाथ जोड़कर सरकार से मांगी मदद

भोपाल,ईएमएस। मध्यप्रदेश कैडर के 1987 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी और विशेष पुलिस महानिदेशक शैलेष सिंह पर प्रॉपर्टी हड़पने के आरोप लगे हैं। यह आरोप उनकी ही 90 साल की बुजुर्ग मां कैलासी देवी ने लगाए हैं। इससे पहले उनके बड़े भाई ने भी शैलेष सिंह के खिलाफ लिखित शिकायत दी थी। अब उनकी मां का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वह सरकार से हाथ जोड़कर मदद मांग रही है।

मध्यप्रदेश कैडर के आईपीएस अधिकारी शैलेष सिंह पुलिस रिफॉर्म के विशेष पुलिस महानिदेशक है। उनका संपत्ति का विवाद पिछले कुछ समय से चल रहा है। उनके बड़े भाई ने कुछ दिन पहले पुलिस और मानव अधिकार आयोग में शिकायत की थी। अब उनकी मां के रिकॉर्डेड वीडियो सामने आए हैं। इन वीडियो में उनकी मां छोटे बेटे शैलेष सिंह और बेटी पर संपत्ति हड़पने का आरोप लगा रही है। वह वीडियो में कह रही है कि शैलेष डीजी है। दोनों हमको बहुत परेशान करते हैं। जबरदस्ती पैसा मांगते हैं। पांच लाख रुपये ले गए। जिस मकान में हम लोग रहते हैं, वह जबरदस्ती घर से निकालना चाहते हैं। एक अन्य वीडियो में वह खुद को 90 साल की बताकर मदद की गुहार लगा रही है। वह कह रही है कि हम अपने बड़े बेटे के साथ रहते हैं। सरकार हमारी मदद करें। शैलेष सिंह पर आरोप लगाया कि पहले उनसे जबरन पांच लाख रुपये ले लिए और अब संपत्ति हड़पना चाह रहे हैं। शैलेष सिंह पर परिवार ने भोपाल और गोरखपुर की प्रॉपर्टी पर भी कब्जा कर किराये पर चलाने के आरोप लगाए हैं।

यह है मामला- स्पेशल डीजी शैलेश सिंह के बड़े भाई कमलेश सिंह भोपाल के नेहरू नगर में रहते हैं। उन्होंने भोपाल पुलिस कमिश्नर मकरंद देउस्कर और मध्यप्रदेश राज्य मानव अधिकार आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में शैलेष सिंह पर प्रताड़ना का आरोप है। कमलेश का आरोप है कि शैलेष ने अपने पद का दुरुपयोग कर झूठे आरोप लगाकर थाने में बंद करवाने की धमकी दी। स्थानीय पुलिस के जरिए मानसिक रूप से प्रताड़ित भी किया जा रहा है। 2010 में पिता की मृत्यु हो गई थी। पिता शिक्षा विभाग में पदस्थ थे। मां के नाम पर अलग-अलग खातों में पैसा जमा हैं। कमलेश सिंह ने शिकायत में बताया कि मां ने पिता के पैसे जब उन्हें नहीं दिए तो उन्होंने प्रताड़ित करना शुरू कर दिया।

मध्य प्रदेश बोर्ड के 10वीं और 12वीं की परीक्षा फरवरी के बजाय मार्च से होने की संभावना

भोपाल यशभारत। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं-बारहवीं बोर्ड की परीक्षा अब 15 फरवरी की बजाय एक मार्च से शुरू होगी। यह निर्णय मंडल की साधारण सभा में ले लिया गया है। दसवीं-बारहवीं परीक्षा में 18 लाख से ज्यादा विद्यार्थी शामिल होंगे।

दरअसल माध्यमिक शिक्षा मंडल ने बीती तीन अक्टूबर को निर्देश जारी कर हाईस्कूल व हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा की तारीख घोषित कर दी थीं। निर्देश में कहा गया था कि दोनों कक्षाओं की प्रायोगिक परीक्षाएं 13 फरवरी से 25 मार्च 2023 के बीच और सैद्धांतिक परीक्षाएं 15 फरवरी से 20 मार्च 2023 के बीच आयोजित की जाएंगी। वार्षिक परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू होने पर माशिमं के सदस्यों ने विरोध किया। मंडल के कुछ सदस्यों का कहना था कि विद्यार्थियों को पढने् का समय नहीं पाता है। पंद्रह फरवरी से परीक्षा शुरू होने पर कोर्स भी अधूरा रहता है। इससे परीक्षा एक मार्च से आयोजित करवाई जाए। बोर्ड के सदस्यों के प्रस्ताव पर साधारण सभा की हाल ही में आयोजित बैठक में एक मार्च से परीक्षा शुरू करवाने का निर्णय ले लिया गया है। एक मार्च से परीक्षा शुरू होने से फरवरी में प्रैक्टिकल की परीक्षाएं संपन्न करवाई जाएगी। मंडल द्वारा परीक्षा विस्तृत टाइम टेबिल जल्द घोषित किया जाएगा।

कोरोना काल से शुरू हुई थी फरवरी में परीक्षा कोरोना कॉल से मंडल ने दसवीं-बारहवीं की फरवरी से परीक्षाएं आयोजित करने की शुरुआत की थी। इस बार भी मंडल ने पंद्रह फरवरी से परीक्षाएं शुरू करने की तिथि घोषित कर दी थी। फरवरी में परीक्षाएं शुरू करने से विद्यार्थियों को इससे फायदा मिल रहा था। मुख्य परीक्षा फरवरी में शुरू होकर मार्च में समाप्त हो जाती थी। मार्च के पहले सप्ताह में ही परीक्षाएं समाप्त होने से विद्यार्थियों को नीट, जेईई जैसी परीक्षा की तैयारी करने के लिए समय मिल जाता था। लेकिन मार्च में परीक्षा शुरू होकर अप्रैल तक परीक्षा होने से विद्यार्थियों को नीट, जेईई जैसी परीक्षा के लिए अब पर्याप्त समय नहीं मिल पाएगा।माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं-बारहवीं परीक्षा में प्रदेश में करीब साढ़े तीन हजार परीक्षा केंद्र बनाए जाते है। इन केंद्रों पर केंद्राध्यक्ष रेंडम पद्धत्ति से चयन कर नियुक्त किया जाता है। जिसमें प्राचार्यों को पता नहीं रहता कि उन्हें किस परीक्षा केंद्र का केंद्राध्यक्ष बनाया जाएगा।

भोपाल में छठ पूजा के दौरान पटाखे जलाने से लगी आग

भोपाल। राजधानी के भेल में टैगोर नगर फेस 2 में सोमवार को सुबह छठ पूजा के दौरान पटाखे जलाने से आग लग गई। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंची और आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि छठ पूजन के दौरान पटाखे जलाए जा रहे थे, जिनकी चिंगारी टेंट हाउस के गद्दों में लग गई थी। घटना के कुछ समय में ही भारी संख्या में लोग एकत्रित हो गए थे, कितना नुकसान हुआ है, इसकी जानकारी नहीं है। उल्लेखनीय है कि इस चार दिवसीय त्योहार का सोमवार को समापन हुआ। सोमवार की सुबह कुछ लोगों ने आतिशबाजी की थी, बताया जा रहा है कि इन चिंगारी के टेंट हाउस में पहुंचने से ही आग भडकी थी,भारी संख्या में जन समूह होने के कारण किसी ने नगर निगम को सूचना को सूचना दी थी। जल्दी से फायर ब्रिगेड पहुंचने से आग पर नियंत्रण किया गया और कोई बड़ी अनहोनी को टाला गया।

विधिविधान से की सूर्य देव व छठ मईया की पूजा

भोपाल, नवदुनिया प्रतिनिधि। केलवा के पात पर उगेलन सुरुज मल झांके ऊंके...करिहा क्षमा छठी मईया..भूल-चूक गलती हमार...हमनी से बरत तोहार हमनी से बरत तोहार...सुनिहा अरज छठी मईया...ऐसे अन्य लोकगीत छठ महापर्व पर सुनने को मिले। शहर की शीतलदास की बगिया, खटलापुरा, मां सरस्वती मंदिर भेल बरखेड़ा, पांच नंबर तालाब सहित शहर की 50 से अधिक विसर्जन घाटों व कुंडों पर छठ महापर्व के लोकगीत छठ व्रतधारियों ने गाए। गन्नों को के मंडप बनाकर सूपा में पूजन सामग्री, फल, ठेकुआ समेत अन्य खाद्य सामग्री रखकर छठ मैया की पूजा-अर्चना की। डूबते हुए सूर्य को शाम 5ञ्40 बजे अर्घ्य दिया। संतान की लंबी आयु के लिए महिलाओं ने कामना की। कोरोना के कारण दो वर्ष बाद छठ महापर्व मनाने का भोजपुरी समाज के लोगों में दोगुना उत्साह व उल्लास देखने को मिला। सोमवार को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर चार दिवसीय छठमहापर्व का समापन किया। शीतलदास की बगिया ञ्शीतलदास की बगिया में छठमहापर्व मनाया गया। भोजपुरी एकता मंच की ओर से आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने निर्जला व्रत रखा तथा गन्ना, नारियल, सिंघाड़ा, मौसमी फल अर्पित कर छठ माता की पूजा अर्चना कर सूर्य भगवान को अर्घ्यदिया। इस दौरान मुख्यअतिथि के रूप में हरियाणा के पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी ने दीप प्रज्वलित करके छठ महापर्व की शुरुआत की। सोलंकी ने कहा कि छठ महापर्व भोजपुरी समाज के लोगों के अलावा अन्य समाज के लोगों को भी जोड़ने का काम कर रहा है। उत्तर प्रदेश झारखंड बिहार के अलावा अब मप्र में रहने वाले भोजपुरी समाज के लोग भोपाल सहित अलग-अलग जिलों में छठवां पर मनाते हैं। दूसरों के प्रति अच्छा व्यवहार रखें। स्वच्छता पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करें। समाज के लोगों ने छठ पर्व के मौके पर स्वच्छता अभियान में भागीदारी निभाने का भी संकल्प लिया। इसके बाद दीपदान किया गया। शीतलदास की बागिया में श्रद्धालुओं ने 2100 दीपों से दीपदान किया। इससे तलाब रोशनी से जगमगा गया। रंगारंग अतिशबाजी भी हुई। भेल बरखेड़ा ई-सेक्टर क्षेत्र में सरस्वती देवी मंदिर प्रांगण में भक्तिमय एवं धार्मिकता के साथ छठ पूजा की गई। बिहार सांस्कृतिक परिषद की ओर से आयोजित समारोह में भोजपुरी समाज की महिलाओं ने भोजपुरी लोकगीत कांच ही बांस के बहंगिया बहंगी लचकत जाए गाया। अन्य लोकगीत भी गाए। क्षेत्रीय विधायक कृष्णा गौर ने भी लोकगीत गाए। इसके बाद छठ मईया के मधुरिम गीतों के साथ देवी जागरण एवं भजन गायन की मनमोहक एवं सुन्दर प्रस्तुति बिहार के प्रसिद्ध गायक एवं गायिका एवं टीम द्वारा दी गई। काशी विश्वनाथ मंदिर ञ् चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने लोक आस्था और प्रकृति की उपासना के पर्व छठ पूजा के अवसर पर करोंद के काशी विश्वनाथ मंदिर में स्थित सूर्य कुंड में पूजा अर्चना कर भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। मंत्री सारंग सूर्यास्त के पहले पूजा की डलिया लेकर मंदिर परिसर पहुंचे। उन्होंने विधि विधान से पूजा-अर्चना कर सूर्यास्त के समय भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। मंत्री सारंग ने वार्ड 75 के संजीवनगर, वार्ड 37 के राजेन्द्र नगर, वार्ड 38 के एकतापुरी, वार्ड 44 के दुर्गा मंदिर और वार्ड 59 में शाखा ग्राउंड, हथाईखेड़ा आनंदनगर व शीतलदास की बगिया कमला पार्क में स्थित छठ पूजा घाटों पर पहुंचकर छठ पूजा कर रहे श्रद्धालुओं को छठ पूजा की शुभकामनाएं दीं।

उगते हुए सूर्य को दिया अर्घ्य

कमलनाथ का सरकार पर बड़ा हमला

बोले- चुनाव आते ही झूठे सपने दिखाने लगे शिवराज

भोपाल , ईएमएस। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव में एक साल का समय बचा है। दोनों ही पार्टियों ने आरोप-प्रत्यारोप तेज कर दिए हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को प्रदेश में 69 सीएम राइज स्कूलों का भूमिपूजन किया। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने राज्य सरकार पर हमला बोला है। कमलनाथ ने कहा कि भाजपा की 18 वर्ष की सरकार के कार्यकाल में मध्यप्रदेश स्कूली शिक्षा के मामले में निरंतर गर्त में गया है। इसके गवाह खुद सरकारी आंक? हैं। अब चुनावी साल में जनता को गुमराह करने के लिए सीएम राइज स्कूल के झूठे सपने दिखाए जा रहे हैं।

कमलनाथ ने मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों की खस्ताहाल स्थिति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि देशभर के आंकड़े उठाकर देखे जाएं तो स्कूली शिक्षा में मध्यप्रदेश का नंबर बेहद नीचे है। वहीं, आज चुनावों को देखते हुए जनता को गुमराह करने के लिए उच्चस्तरीय बुनियादी संरचना वाले व स्मार्ट क्लासेस, डिजिटल लर्निंग, सर्वसुविधा युक्त लैब, पुस्तकालय वाले सीएम राइज विद्यालयों के सपने दिखाए जा रहे हैं। यदि सरकार को शिक्षा के स्तर और स्कूलों की इतनी चिंता है तो क्या कारण है कि उनकी पिछले 18 वर्ष में सरकारी स्कूल खस्ताहाल स्थिति में पहुंच गए हैं। प्रदेश के सरकारी स्कूलों की स्थिति सुधारने के लिये सरकार ने कदम क्यों नहीं उठाए? जो सरकार पिछले 18 वर्षों में प्रदेश के सरकारी स्कूलों की स्थिति नहीं सुधार पाई है, वह आज किस आधार पर इतने बडे-बड़े सपने दिखा रही है?

36 हजार स्कूलों में बिजली नहीं

कमलनाथ ने पूछा कि मध्यप्रदेश में एक लाख 23 हजार सरकारी स्कूल है। आज भी करीब 36 हजार स्कूलों में बिजली नहीं है। इसी से डिजिटल लर्निंग, स्मार्ट क्लासेस व कम्प्यूटर शिक्षा की स्थिति की कल्पना की जा सकती है। आज भी मध्यप्रदेश में शिक्षकों के करीब एक लाख पद खाली हैं और पिछले कई वर्षों से शिक्षकों की भर्ती नहीं हुई है। प्रदेश में करीब 18 हजार स्कूल ऐसे हैं जो सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। प्रदेश में 14 हजार स्कूल ऐसे हैं, जिनमें पीने के पानी की सुविधा तक नहीं है। प्रदेश में 40 हजार के करीब ऐसे स्कूल हैं जिनके भवन जर्जर हो चुके हैं। इनमें से कई तो आज भी पेड़ों के नीचे चल रहे हैं। कइयों की छत बारिश में टपकती है। कइयों में बारिश का पानी भर जाता है।

18 हजार स्कूलों में शौचालय नहीं

कमलनाथ ने आरोप लगाया कि प्रदेश में करीब 18 हजार स्कूल ऐसे हैं, जहां शौचालय नहीं हैं। जहां है, वह बदहाल स्थिति में है। हजारों स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग से टॉयलेट नहीं है। 34 हजार के करीब स्कूलों में तो हैंड वॉश तक नहीं है। आठ हजार के करीब स्कूलों में लाइब्रेरी नहीं है। 33 हजार स्कूलों में खेल मैदान नहीं है। आज भी हजारों स्कूलों के पास अपना खुद का भवन नहीं है। एक-एक कमरों में स्कूल चल रहे हैं।

मध्य प्रदेश के तीन सरकारी आयुर्वेद कालेजों की मान्यता अटकी

भोपाल यशभारत। मध्य प्रदेश में बुरहानपुर, जबलपुर और रीवा के सरकारी आयुर्वेद कालेजों की स्नातक (बीएएमएस) पाठ्यक्रम की मान्यता नेशनल कमीशन फार इंडियन सिस्टम आफ मेडिसिन ने रोक दी है। शिक्षकों की कमी के चलते मान्यता रोकी गई है। सभी कालेजों ने एनसीआइएसएम को आश्वस्त किया है कि मापदंड के अनुसार शिक्षकों की कमी पूरी कर ली जाएगी। अब आयोग के ऊपर है कि आश्वासन के आधार पर मान्यता देता है या नहीं। एक सप्ताह में इस पर निर्णय होगा।सबसे बड़ा संकट बुरहानपुर आयुर्वेद कालेज की मान्यता को लेकर है। यहां पर प्राध्यापक और सह प्राध्यापक के 12 और सहायक प्राध्यापक के 15 पद रिक्त हैं। तीन विभागों में एक भी शिक्षक नहीं हैं। इतना जल्दी इन पदों को भरना आसान नहीं है। ऐसे में यहां की बीएएमएस की मान्यता मिलना मुश्किल है। इस कालेज में बीएएमएस की 85 सीटें हैं। रीवा के आयर्वेद कालेज में प्राध्यापक और सह प्राध्यापक के मिलाकर चार और सहायक प्राध्यापक के दो पद रिक्त हैं। कालेज प्रबंधन ने कमीशन को भरोसा दिलाया है कि शिक्षकों के रिक्त पदों को जल्द ही भर लिया जाएगा। इसके अलावा जबलपुर के सरकारी आयुर्वेद कालेज की मान्यता भी रुकी हुई है।

प्रदेश के अग्रणी 4 जिलों में कटनी शामिल

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार की ऑनलाइन प्रविष्टियों का 100 प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण, कटनी टॉप फाइव में

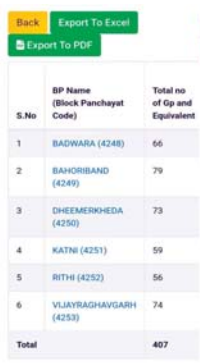
Back | Export To Excel | Export To PDF

S.No	BP Name (Block Panchayat Code)	Total no of Gp and Equivalent
1	BADWARA (4248)	66
2	BAHORIBAND (4249)	79
3	DHEEMERKHEDA (4250)	73
4	KATNI (4251)	59
5	RITHI (4252)	56
6	VIJAYRAGHAVGARH (4253)	74
Total		407

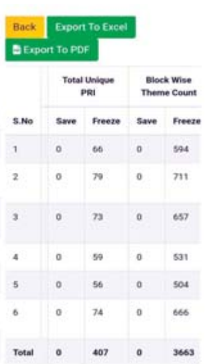
Back | Export To Excel | Export To PDF

S.No	Total Unique PRI		Block Wise Theme Count	
	Save	Freeze	Save	Freeze
1	0	66	0	594
2	0	79	0	711
3	0	73	0	657
4	0	59	0	531
5	0	56	0	504
6	0	74	0	666
Total	0	407	0	3663

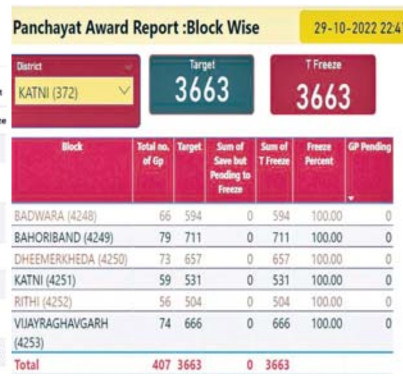
Panchayat Award Report :Block Wise — 29-10-2022 22:41

District: KATNI (372) | Target 3663 | T Freeze 3663

Block	Total no. of Gp	Target	Sum of Save but Pending to Freeze	Sum of T Freeze	Freeze Percent	GP Pending
BADWARA (4248)	66	594	0	594	100.00	0
BAHORIBAND (4249)	79	711	0	711	100.00	0
DHEEMERKHEDA (4250)	73	657	0	657	100.00	0
KATNI (4251)	59	531	0	531	100.00	0
RITHI (4252)	56	504	0	504	100.00	0
VIJAYRAGHAVGARH (4253)	74	666	0	666	100.00	0
Total	407	3663	0	3663		

कटनी,यशभारत। राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार के अंतर्गत ग्राम पंचायतों द्वारा की जा रही ऑनलाइन प्रविष्ठियां वास्तविक डाटा के परीक्षण और सत्यापन उपरांत पोर्टल पर दर्ज कराये जाने के निर्देश पंचायत राज संचालनालय से प्राप्त हुए थे। प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ शिशिर गेमावत द्वारा जनपद पंचायत वार प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा की जाकर जानकारी ली जा रही थी। सीईओ द्वारा राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार की प्रगति की निर्धारित लक्ष्य के अनुसार न्यूनतम प्रगति वाली ग्राम पंचायत वार समीक्षा की जाकर आने वाली तकनीकी कठिनाइयों एवं अन्य समस्याएं के निदान हेतु आवश्यक निर्देश संबंधितों को दिए गए थे।

सभी 407 ग्राम पंचायतों ने की सहभागिता, विविध प्रकार की 9 थीम के 113 प्रश्नों के दिए उत्तर

कटनी टॉप फाइव में

निर्धारित समय सीमा में लक्ष्य के अनुरूप ग्राम पंचायतों द्वारा राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार की विविध प्रकार की नौ थीम पर ऑनलाइन प्रविष्ठियां पोर्टल पर दर्ज कर फ्रीज की गई। परिणाम स्वरूप प्रदेश स्तर पर कटनी 100 प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करने वाले अग्रणी जिलों में चौथे स्थान पर रहकर टॉप फाइव में स्थान अर्जित कर सका।

लोकसेवकों की सराहना

प्रभारी कलेक्टर एवं सीईओ गेमावत ने कार्य संपादित कर रहे जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तरीय लोक सेवकों की मुक्त कंठ से सराहना कर प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि सचिव, रोजगार सहायकों और अन्य अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा समय पर शत-प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति की जाने से जिले को यह उपलब्धि हासिल हुई है।

प्रत्येक ग्राम पंचायत को 113 प्रश्नों के उत्तर भरने थे

उल्लेखनीय है कि बड़वारा की 66 ग्राम पंचायतों ने 594, बहोरीबंद की 79 ग्राम पंचायतों ने 711, ढीमरखेड़ा की 73 ग्राम पंचायतों ने 657, कटनी की 59 ग्राम पंचायतों ने 531, रीठी की 56 ग्राम पंचायतों ने 504 और विजयराघवगढ़ की 74 ग्राम पंचायतों ने 666 थीम पर प्रश्नावली में पूछे गए सभी 113 प्रश्नों की जानकारी पोर्टल पर दाखिल कर फ्रीज किए थे। ग्राम पंचायतों द्वारा आवश्यक जानकारियां पोर्टल पर दर्ज कर फ्रीज किए जाने के फ्लस्वरूप जिले को प्राप्त निर्धारित लक्ष्य 3663 के विरुद्ध 100: लक्ष्य की पूर्ति संभव हुई ।

भौतिक निरीक्षण और सत्यापन कार्य

सीईओ श्री गेमावत ने कहा कि आगे भी जिला एवं जनपद पंचायत स्तर पर गठित समितियों द्वारा ग्राम पंचायतों में भौतिक निरीक्षण एवं सत्यापन का कार्य भी समय सीमा में मार्गदर्शी पुस्तिका और निर्देशों के अनुरूप किया जाए। राज्य स्तर से प्राप्त निर्देशों के अनुसार प्रत्येक जनपद क्षेत्र सेए प्रत्येक थीम पर प्रथम तीन आने वाली ग्राम पंचायतों का भौतिक सत्यापन कार्य गठित समितियों द्वारा किया जाएगा एवं संबंधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों द्वारा निर्धारित प्रारूप में जानकारी संकलित कर जिला कार्यालय को प्रेषित की जाएगी एवं प्राप्त जानकारी के आधार पर जिला स्तर से अग्रिम कार्यवाही समय सीमा में की जा सकेगी।

गोपाष्टमी महोत्सव पर निकलेगी भव्य शोभायात्रा

व्यवस्थाएं चौकस रखने निगमायुक्त ने सौंपे दायित्व

कटनी,यशभारत। गोपाष्टमी महोत्सव के अवसर पर 1 नवंबर को सायंकाल 4 बजे से शोभायात्रा जुलूस, झांकी का आयोजन गोल बाजार रामलीला मैदान से किया जाना है। शोभायात्रा नगर के विभिन्न मार्गो से भ्रमण करती हुई वापस गोल बाजार रामलीला मैदान में समाप्त होगी। निगम आयुक्त सत्येंद्र सिंह धाकरे ने गोपाष्टमी महोत्सव पर नगर निगम कटनी से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाओं को समय पर पूर्ण कराने हेतु विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों के दायित्व सौंपे हैं। जारी आदेशानुसार स्वास्थ शाखा के अधिकारियों कर्मचारियों को शोभायात्रा जुलूस मार्ग की साफ-सफाई चूने की लाइनिंग, कीटनाशक दवाओं का छिड़काव एवं आवारा मवेशियों पर नियंत्रण की कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। शोभायात्रा जुलूस मार्ग, गोल बाजार, रामलीला मैदान में प्रकाश व्यवस्थाए पानी के टैंकर से पेयजल व्यवस्था एवं कार्यक्रम स्थल तथा जुलूस मार्ग से अस्थाई अतिक्रमण को हटाने के निर्देश विभागीय अधिकारी कर्मचारियों को प्रदान किये जाकर समस्त व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया गया है।

भारतीय किसान संघ की बैठक में लिया निर्णय

किसान गर्जना रैली में शामिल होंगे जिले के किसान

कटनी,यशभारत। किसानों की आर्थिक दशा सुधारते हुए कृषि को लाभकारी धंधा बनाने सहित किसानों की विभन्न समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ जिला शाखा कटनी की एक बैठक गत दिवस स्लीमनाबाद के ग्राम सरसवाही में आयोजित की गई। बैठक के प्रारंभ में भगवान बलराम एवं गौ माता की पूजा अर्चना की गई। जानकारी देते हुए भारतीय किसान संघ के प्रान्तीय उपाध्यक्ष नन्द किशोर परौहा एवं जिलाध्यक्ष बिहारीलाल निगम ने बताया कि बैठक में यह निर्णय लिया गया कि किसानों ने भरपूर उत्पादन कर देश एवं प्रदेश की खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित की है, किन्तु अभी तक किसान की हालत जस की तस है। भारतीय किसान संघ का नारा है कि देश के हम भण्डार भरेगें लेकिन कीमत पूरी लेगें लेकिन किसान जो फसल उगाता है, उसको लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य अभी तक नहीं मिल रहा है। अतः किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारों और कृषि लाभदायक बनाने सरकार को अभी कुछ और निर्णय लेने होंगे। किसानों को कृषि पर लागत के अनुसार लाभकारी मूल्य दिलाया जाय। कृषि अदान में मुद्रा स्फीति वृद्धि के अनुमान में किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाई जाय। अतः इन्हीं मागों को लेकर किसान संघ के कार्यकर्ता पूरे जिले में ग्राम संपर्क, धरना, पदयात्रा जैसे कार्यक्रमों को करते हुए 19 दिसम्बर को दिल्ली में लाखों की संख्या में किसान गर्जना रैली में शामिल होकर अपनी आवाजों को बुलंद करेगें। बैठक में बशोरीलाल यादव को ग्राम इकाई अध्यक्ष एवं पूरनलाल महोबिया को ग्राम मंत्री का दायित्व दिया गया। बैठक में तहसील अध्यक्ष इन्द्र कुमार हल्दकार, कन्छेदी सिंह पटेल, प्रहलाद यादव, हीरालाल, गोविन्द दुबे, श्याम सिंह के साथ सैकड़ों किसानों की उपस्थिति सराहनीय रही।

स्थापना दिवस पर 1 नवंबर को रहेगा आधे दिन का अवकाश

कटनी,यशभारत। राज्य शासन ने मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस 1 नवंबर को सभी शासकीय कार्यालयों में अपरान्ह आधे दिवस का शासकीयअवकाश घोषित किया है। जिससे शासकीय कर्मचारी भी मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस 1 नवंबर की शाम को आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल हो सके।

मारूति नंदन महायज्ञ के लिए हुआ भूमिपूजन, फहराई धर्मध्वजा

कटनी,यशभारत। स्टेशन रोड स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर के तत्वाधान में आयोजित होने वाले मारूति नंदन महायज्ञ के भव्य आयोजन के लिए गत 27 अक्टूबर दिन गुरूवार को प्रातः 11 बजे गोलबाजार रामलीला मैदान परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आचार्य चंद्रभूषण शास्त्री द्वारा भूमिपूजन किया गया। साथ ही बाजे-गाजे के साथ धर्मध्वजा फहराई गई। दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर के पुजारी आनंद महाराज द्वारा फीता काटकर इस विराट आयोजन के कार्यालय का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर धर्मप्रेमी पवन मित्तल, मोहनलाल अग्रवाल, प्रदीप गुप्ता, संतोष गुप्ता खाद, राकेश चौदहा, प्रभात तिवारी, संजय गुप्ता, अनिल पटवारी, राजू शर्मा, राकेश टुड़हा, बिल्लू शर्मा, आकाश जायसवाल, मोनू शर्मा, राकेश यादव एड सहित हनुमान भक्तों की उपस्थिति रही। दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर के पुजारी आनंद महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी नवंबर माह की 13 तारीख से मारूति नंदन महायज्ञ का शुभारंभ होगा जिसका समापन 23 नवम्बर को होगा। प्रसिद्ध धार्मिक नगरी वाराणसी के संत ज्ञानी महाराज द्वारा प्रतिदिन गोलबाजार रामलीला मैदान में स्थापित मंच से श्री हनुमान कथा का वाचन दोपहर 4 बजे से सायं 7 बजे तक किया जाएगा। पहले दिन 13 नवम्बर को सायंकाल 4 बजे दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर से भव्य शोभायात्रा प्रारंभ होगी , जो नगर के प्रमुख मार्ग सुभाष चौक, ज्वाहर चौक, झंडा बाजार, गणेश मंदिर खेरमाई मढ़िया, घंटाघर, गजानन टॉकीज रोड होते हुए आयोजन स्थल गोलबाजार पहुंचकर समाप्त होगी। 23 नवम्बर को कथा स्थल पर प्रातः 10 बजे से हवन पूजन एवं कन्या पूजन का आयोजन किया जाएगा। दोपहर 1 बजे से 7 बजे तक विशाल भंडारे का आयोजन होगा। पुजारी आनंद महाराज ने नगर के समस्त धर्मप्रेमियों से इस आयोजन में शामिल होकर इसे सफल बनाने का आग्रह किया गया है।

कुछ घंटों में ही 500 नेत्र रोगियों का नि :शुल्क परीक्षण

350 से भी अधिक लोगों को बांटे गए चश्में

कटनी,यशभारत। ब्राह्मण समाज जिला कटनी एवं समस्त इकाई एवं श्री बधाई उत्सव कमेटी के तत्वाधान में सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय जानकीकुंड चित्रकूट के सहयोग से ब्राम्हण सत्संग भवन मसुरहा घाट कटनी में नेत्र शिविर का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर नगर निगम के अध्यक्ष मनीष पाठक नेत्र शिविर के संयोजक प्रेम प्रकाश दीक्षित, नगर अध्यक्ष राजू शर्मा, बिल्लू शर्मा, पार्षद शशिकांत तिवारी ब्राह्मण समाज के जिलाध्यक्ष रामचंद्र तिवारी सूर्यकांत गौतम पदम पाणी त्रिपाठी प्रभात त्रिपाठी हरि शंकर बाजपेई सुरेंद्र मोहन मिश्रा डब्बू गौतम कल्पना दुबे गीता पाठक महिमा दीक्षित रत्ना मिश्रा शशि दुबे मंजूषा गौतम ऊषा पांडे कृष्णकांत गौतम सूर्यकांत मिश्रा विक्रांत शर्मा पप्पू गर्ग रमेश दत्त मिश्रा सुनील टेंट आदि की उपस्थिति रही। सभी के सहयोग से लगभग 500 लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया। खबर लिखे जाने तक भी कार्यक्रम जारी था। एवं लगभग 350 जरूरतमंदों को चश्मों का वितरण किया जा चुका है।

जनपद मुख्यालयों में होगी जिला पंचायत के कार्यों की समीक्षा

जिला पंचायत सीईओ द्वारा बैठकों की तिथि घोषित

कटनी,यशभारत। पंचायत एवं ग्रामीण विकास योजनाओं के सतत क्रियान्वयन हेतु जिला पंचायत सीईओ शिशिर गेमावत की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय समीक्षा बैठकों का तिथिवार आयोजन होगा। सीईओ श्री गेमावत ने जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को समीक्षा बैठक में संबंधित जनपद पंचायतों के शाखा प्रभारियों, सहायक यंत्री, उपयंत्री, सचिव और ग्राम रोजगार सहायको को योजनाओं एवं कार्यक्रमों की अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। जनपद पंचायत कटनी की समीक्षा बैठक 31 अक्टूबर को एबड़वारा की 1 नवंबर कोए बहोरीबंद की 2 नवंबर को, विजयराघगढ़ की 3 नवंबर को और रीठी तथा ढीमरखेड़ा की समीक्षा बैठक 4 नवंबर को आयोजित होंगी। सीईओ श्री गेमावत ने समीक्षा बैठक में जिला पंचायत के योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रभारी अधिकारियों को भी निर्धारित तिथियों में निर्धारित स्थान और समय पर अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने वर्चुअली किया भूमिपूजन

जिले के 4 राइजिंग स्कूलों के लिए मिले 143 करोड़ 41 लाख

कटनी,यशभारत। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को इन्दौर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से कटनी जिले में 143 करोड़ 41 लाख रूपये की लागत से 4 सीएम राइज़ स्कूलों के भवन का वर्चुअली भूमिपूजन किया ।मुख्यमंत्री ने कटनी जिले के जिन सीएम राइज स्कूलों का वर्चुअली भूमिपूजन किया उनमें मॉडल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़वारा की लागत 35.50 करोड़ रुपयें, मॉडल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रीठी की लागत 33.66 करोड़ रुपये तथा मॉडल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कटनी के भवन के लिए 38.61 करोड़ रूपये और मॉडल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बहोरीबंद की लागत 35.66 करोड़ रुपये का वर्चुअल भूमिपूजन मुख्यमन्त्री ने किया । मॉडल कटनी में सीएम राइज स्कूल के वर्चुअल भूमिपूजन कार्यक्रम में विधायक मुड़वारा संदीप जायसवाल और बहोरीबंद मॉडल सी एम राइज़ स्कूल के भूमिपूजन में विधायक बहोरीबंद प्रणय प्रभात पांडेय सहित जनप्रतिनिधि एशिक्षा विभाग के अधिकारी और बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे । मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश में 2519 करोड़ 12 लाख रूपये की लागत के 69 सीएम राइज स्कूल का भूमिपूजन किया । यह प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है। सीएम राइज स्कूलों में स्मार्ट माध्यम से शिक्षा दी जाएगी और आधुनिक प्रयोगशाला, कम्प्यूटर लेबए स्मार्ट क्लॉस, पुस्तकालय की सुविधा के साथ कला, संगीत, खेलकूद और व्यवसायिक शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी भी इन स्कूलों में उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। राज्य शासन ने स्कूली शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन करने के लिए सीएम राइज स्कूल शुरू करने का क्रांतिकारी निर्णय लिया है। ये स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता को और भी बेहतर बनाने के लिए खोले जा रहे हैं। सीएम राइज स्कूल में के जी से लेकर कक्षा 12वीं तक शिक्षा दी जाएगी। प्रदेश में 2 चरण में 9 हजार 95 सीएम राइज स्कूल खोले जायेंगे। प्रथम चरण में वर्ष 202-24 में प्रत्येक जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर 360 स्कूल खोले जायेंगे। दूसरे चरण में वर्ष 2024 से 2031 तक प्रत्येक 10 से 15 किलोमीटर में एक सीएम राइज स्कूल शुरू होगा और 8 हजार 735 स्कूल खोले जायेंगे। सीएम राइज स्कूल का लक्ष्य छात्रों के सीखने के स्तर में उल्लेखनीय प्रगति लाना रहेगा।

सीएम राइज स्कूल की प्रमुख विशेषताएँ

सीएम राइज स्कूल की 10 प्रमुख विशेषता निर्धारित की गई हैं। इन स्कूलों में विश्वस्तरीय अधोसंरचना, परिवहन सुविधा, नर्सरी एवं पूर्व प्राथमिक कक्षाएँ, स्मार्ट क्लॉस एवं डिजिटल लर्निंग, शत-प्रतिशत स्टॉफ एवं सहायक स्टॉफ, स्टॉफ की क्षमता वृद्धि, सुसज्जित प्रयोगशालाएँ, वाचनालय, पाठ्येत्तर सुविधाएँ, 21वीं सदी की आवश्यकता के अनुरूप कौशल कार्यक्रम, व्यावसायिक शिक्षा और पालकों की सहभागिता रहेगी।

सीएम राइज स्कूल का विजन, मिशन और मूल्य

सीएम राइज स्कूल का उद्देश्य ऐसे स्कूल समुदाय का निर्माण करना है, जो सभी विद्यार्थियों में कठिनाइयों से निपटने की क्षमता और उनके संपूर्ण विकास को बढ़ावा देगा। उन्हें समाज में योगदान देने और संवैधानिक मूल्यों को बरकरार रखने के लिए सशक्त बनायेगा। इन स्कूलों की स्थापना में राज्य सरकार का मिशन, विकास में सहायक, समावेशी और आनंदमय स्कूल समुदाय का निर्माण करना है। कौशल तथा एकीकृत समग्र शिक्षा को प्रोत्साहित करके विद्यार्थियों को जिज्ञासु एवं रचनात्मक कार्यों में सक्षम और आत्म-निर्भर बनने के लिए प्रेरित करना है। सीएम राइज स्कूल में विद्यार्थियों को शिक्षा से उनके द्वारा चुने गए पथ पर आगे बने, अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने में समर्थ बनाने और परिपूर्ण जीवन जीने के लिए अवसर एवं सहायता मिलेगी।

एफआईआर के बाद बिग बॉस 16 से निकाले जाएंगे साजिद

यौन शोषण मामले में शर्लिन चोपड़ा ने दर्ज करवाया बयान

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड फिल्ममेकर साजिद खान बिग बॉस 16 का हिस्सा बनने के बाद अब मुश्किलों में फंसते नजर आ रहे हैं। सालों पहले साजिद पर

कई मॉडल, एक्ट्रेस और जर्नलिस्ट ने मीटू मामले के तहत यौन शोषण के आरोप लगाए थे। एक साल तक इंडस्ट्री में बैन रहने के बाद साजिद को क्लीनचिट मिली थी, लेकिन उन्हें बिग बॉस में देखने के बाद अब शर्लिन चोपड़ा ने यौन शौषण मामले को कानूनी रूप दे दिया है। शर्लिन ने साजिद के खिलाफ जुहू पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई है। शर्लिन ने अपना बयान भी दर्ज करवा दिया है, जिस पर जल्द कार्यवाही शुरू होगी। साजिद को जल्द ही पुछताछ के लिए पुलिस स्टेशन बुलाया जा सकता है, ऐसे में उन्हें चलते शो से निकाले जाने की बात भी सामने आई है। शर्लिन चोपड़ा साजिद खान के खिलाफ शिकायत दर्ज करा कर देर रात जुहू पुलिस स्टेशन से निकली, शर्लिन ने कहा कि उनका बयान दर्ड कर लिया गया है, पुलिस अब साजिद खान को बुलाकर उनसे पूछताछ करेगी।

बयान दर्ज करने में पुलिस ने की आनाकानी

एजेंसी से बातचीत में शर्लिन ने बताया कि शुरुआत में जुहू पुलिस स्टेशन ने ये कहते हुए बयान दर्ज करने से इनकार कर दिया कि जिस पुलिस ऑफिसर को केस सौंपा गया है वो मौजूद नहीं हैं। हालांकि बाद में शर्लिन ने क्ष्ढ्ढ मेघा के सामने बयान दिया। पुलिस ऑफिसर मेघा ने शर्लिन को आश्वासन दिया है कि जल्द ही साजिद को पुलिस स्टेशन बुलाकर पूछताछ की जाएगी।

सलमान खान के घर के बाहर प्रोटेस्ट करेंगी शर्लिन

शर्लिन ने बयान दर्ज करवाने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा है कि साजिद खान पर सलमान खान का हाथ है और उनका कोई कुछ नहीं कर सकता। एक्ट्रेस ने सलमान खान से भी अपील की है कि वो इस मामले में नजर डालें। इसी के साथ एक्ट्रेस ने कहा कि हमलोग आपको भाईजान बोलते है तो हम आपकी बहन क्यों नही हो सकते हैं। हमलोग सलमान खान के घर के बाहर जाकर शांतिपूर्ण तरीके से प्रोटेस्ट भी करेंगे। शर्लिन ने कहा कि ये लड़ाई सिर्फ उनकी ही नहीं बल्कि उन सभी महिलाओं के लिए है जिन्हें साजिद द्वारा हैरेस किया गया है।

इन एक्ट्रेसेस ने भी साजिद के खिलाफ दिया था बयान

साल 2018 में इंडस्ट्री की कई एक्ट्रेसेस ने साजिद पर सेक्शुअल हरैसमेंट के संगीन आरोप लगाए थे। इन एक्ट्रेसेस में मंदाना करीमी, सलोनी चोपड़ा, रेचल व्हाइट, सिमरन सूरी, मरीना कुंवर, अहाना कुमरा, डिंपल पॉल, शर्लिन चोपड़ा और जर्नलिस्ट करिश्मा उपाध्याय शामिल थीं। जिया खान की डॉक्यूमेंट्री फिल्म डेथ इन बॉलीवुड (2021) में जिया खान की बहन करिश्मा ने भी इस बात का जिक्र किया कि साजिद ने जिया को हैरेस किया था।

एक साल के लिए इंडस्ट्री से बैन हो चुके हैं साजिद

फिल्म एसोसिएशन ने मामले को संजीदगी से लेते हुए साजिद खान पर एक साल का बैन लगाया था, जिसके चलते उन्हें हाउसफुल 2 फिल्म भी छोड़नी पड़ी थी। साजिद ने हर बार इन आरोपों को मानने से इनकार कर दिया।

साजिद से पहले अरमान कोहली को बिग बॉस से किया गया था अरेस्ट

पूछताछ के लिए साजिद को चलते शो से निकाला जा सकता है, लेकिन ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। अरमान कोहली को भी इससे पहले चलते से शो अरेस्ट किया जा चुका है। दरअसल, बिग बॉस 7 में अरमान कोहली और सूफिया हयात के बीच जोरदार लड़ाई हुई थी।

रोहित-विराट की गलतियां भारत को भारी पड़ीं

कप्तान ने रन आउट के 2 मौके गंवाए, कोहली ने मार्करम का आसान कैच छोड़ा

पर्थ, एजेंसी। रविवार को टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-साउथ अफ्रीका मैच खासा रोमांचक रहा। एक बॉल पर लगता बाजी इंडिया के हाथ में है तो दूसरी ही बॉल पर खेल बदल जाता। बहरहाल, टीम इंडिया ने इस करीबी मुकाबले को गंवा दिया और इसके जिम्मेदार रहे कप्तान और पूर्व कप्तान। हम बात कर रहे हैं रोहित शर्मा और विराट कोहली की। मैच में एक नहीं, बल्कि तीन ऐसे मौके आए जब रोहित शर्मा और विराट कोहली ने बड़ी गलतियां कीं। अगर इन दोनों प्लेयर्स ने मिलाकर तीन मौके न गंवाए होते तो शायद मैच का नतीजा कुछ और ही होता।

विराट से छूटा कैच, इंडिया से मैच

रोहित शर्मा ने 12वें ओवर में बॉल अश्विन को सौंपी। इस ओवर की पांचवीं गेंद थोड़ी शॉर्ट थी। मार्करम क्रीज से निकले और डीप मिड विकेट पर हिट किया। गेंद हवा में थी। यहां विराट कोहली मौजूद थे। बॉल सीधे उनके हाथों में पहुंची, लेकिन फिसल गई। कोहली ने दूसरी बार भी कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे।विराट और रोहित की यह गलतियां टीम इंडिया को बहुत भारी पड़ीं। ये बात सही है कि टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका को बड़ा टारगेट नहीं दिया था, लेकिन अर्शदीप ने शुरुआती ओवर में ही टीम को आगे कर दिया था। बहरहाल, टेम्बा बावूमा की टीम इस मैच को बमुश्किल ही सही, लेकिन जीतने में कामयाब रही।

रोहित ने रन आउट के 2 मौके गंवाए

हार्दिक पंड्या 9वां ओवर डालने आए। ओवर की पांचवी गेंद लैंथ बॉल थी। साउथ अफ्रीकन बैटर डेविड मिलर ने इसे कवर्स की तरफ खेला और रन लेने के लिए क्रीज से काफी आगे निकल आए। नॉन-स्ट्राइकर एडेन मार्करम भी दौड़ पड़े और आधी पिच तक आ गए। रोहित शर्मा ने बॉल उठाई और नॉन-स्ट्राइकर एंड पर थ्रो किया। रोहित का निशाना सही नहीं था और मार्करम हिफाजत के साथ क्रीज में पहुंच गए। ये सब इतनी तेजी से हुआ कि बॉलर अर्शदीप को फॉलो थ्रू कम्पलीट करके विकेट तक आने का मौका भी नहीं मिल सका। दूसरा रन आउट रोहित ने 13वें ओवर में मिस किया। गेंदबाज कर रहे थे मोहम्मद शमी। यह सटीक गुड लेंथ बॉल थी। मिलर बमुश्किल डिफेंड कर पाए। मार्करम को रन के लिए भागते देख उन्होंने भी दौ? लगा दी। इधर, रोहित कवर्स से दौड़ते आए, गेंद पकड़ी और स्ट्राइकर एंड पर अंडरआर्म थ्रो किया। इस बार भी निशाना सटीक नहीं था। इसके बाद यही दोनों बल्लेबाज यानी मार्करम और मिलर मैच को टीम इंडिया की पकड़ से खींच ले गए।

टीम इंडिया की हार से बदला सेमीफाइनल का समीकरण

पर्थ, एजेंसी। टी-20 वर्ल्ड कप में रविवार को टीम इंडिया साउथ अफ्रीका से 5 विकेट से हार गई। इस नतीजे के बाद सुपर-12 में ग्रुप-2 का समीकरण काफी बदल गया है। अब ग्रुप की 6 में से 5 टीमें अंतिम चार में पहुंचने की होड़ में हैं। चलिए एक-एक कर सभी टीमों की संभावनाओं को जान लेते हैं।

सबसे पहले उस टीम की बात जो बाहर हो चुकी है

नीदरलैंड की टीम रविवार को पाकिस्तान से हार गई। यह तीन मैचों में डच टीम की लगातार तीसरी हार है। वह सेमीफाइनल की होड़ से बाहर होने वाली ग्रुप-2 की पहली टीम बन गई है।

साउथ अफ्रीका अब सबसे अच्छी स्थिति में

रविवार के मुकाबलों से पहले टीम इंडिया ग्रुप-2 में सबसे अच्छी स्थिति में थी। भारत पर जीत के बाद अब इस स्थिति में साउथ अफ्रीका की टीम आ गई है। तीन मैचों से साउथ अफ्रीका के पांच पॉइंट्स हैं। उसके अब पाकिस्तान और नीदरलैंड से मैच बाकी हैं। दोनों मैच जीतने पर टीम 9 अंक के साथ टेबल टॉपर रहते हुए सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। एक मैच में हार के बावजूद भी साउथ अफ्रीका अंतिम चार में पहुंच सकता है। उसका नेट रन रेट 2.772 का है जो ग्रुप में सबसे बेहतर है।

भारत के लिए बांग्लादेश से मुकाबला बेहद अहम

टीम इंडिया को अब बुधवार को बांग्लादेश से मैच खेलना है। यह मैच भारत के लिए काफी अहम हो गया है। अगर भरतीय टीम यह मैच हारती है तो फिर उसके पांच मैच खत्म होने के बाद ज्यादा से ज्यादा 6 अंक हो सकते हैं। इसके लिए भी आखिरी मैच में भारत को जिम्बाब्वे को हराना होगा। अगर भारतीय टीम बांग्लादेश से हार जाती है और बांग्लादेश आगे चल कर पाकिस्तान को भी हरा देता है तो वह साउथ अफ्रीका के साथ सेमीफाइनल में पहुंच सकता है। इस वजह से भारत के लिए बांग्लादेश के खिलाफ एक तरह से छ्रश श्रह छ्रद्बद्र जैसा हो सकता है।

पाकिस्तान के लिए बस आउट साइड चांस

पाकिस्तान के लिए अब सेमीफाइनल में पहुंचना बेहद मुश्किल हो गया है। हालांकि, यह असंभव नहीं है। अगर

बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला करो या मरो का हो सकता है, 6 में से 5 टीमें होड़ में

भारतीय टीम बांग्लादेश से हारती है और पाकिस्तान की टीम साउथ अफ्रीका को हरा देती है तो उसके लिए चांस बन सकता है। इस स्थिति में दोनों टीमों के 4-4 पॉइंट हो जाएंगे और 6 नवंबर को होने वाले दोनों मुकाबले काफी अहम हो जाएंगे। उस दिन भारत का सामना जिम्बाब्वे से और पाकिस्तान का मुकाबला बांग्लादेश से होगा। उस दिन अगर भारत और पाकिस्तान दोनों जीत जाती है तो फिर दोनों के 6-6 पॉइंट होंगे और बेहतर नेट रन रेट वाली टीम अंतिम चार में पहुंच जाएगी।

बांग्लादेश को जीतने होंगे दोनों मुकाबले

बांग्लादेश को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अपने आखिरी दोनों मैच जीतने होंगे। उसे अभी भारत और पाकिस्तान से खेलना है।

जिम्बाब्वे को चाहिए दो जीत

जिम्बाब्वे को अभी दो मैच खेलने हैं। एक नीदरलैंड से और एक भारत से। अगर जिम्बाब्वे को सेमीफाइनल में पहुंचना है तो उसे दोनों मैच जीतने होंगे।

बोनी कपूर ने पपराजी से पूछा- 'भाई-बहन लग रहे हैं ना?', जाह्नवी कपूर का ऐसा था रिएक्शन

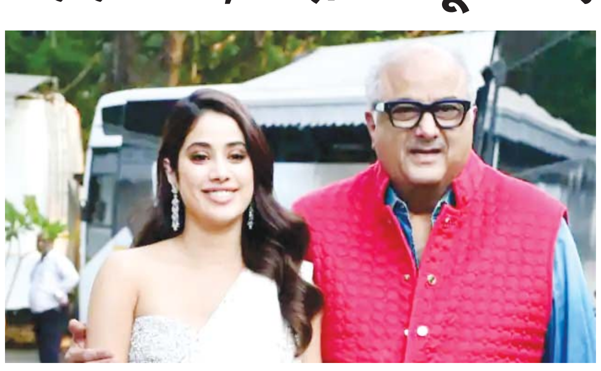

मुंबई,ईएमएस। जाह्नवी कपूर की आने वाली फिल्म 'मिली' है। वह इस वक्त अपनी फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। फिल्म को बोनी कपूर ने प्रोड्यूस किया है। रविवार को जाह्नवी कपूर 'द कपिल शर्मा' शो के सेट पर पहुंचीं। इस दौरान जाह्नवी कपूर पपराजी के सामने आई और पोज दिया। उनके साथ बोनी कपूर भी थे। व्हाइट कलर की शिमरी साड़ी और ब्रालेट में जाह्नवी गॉर्जियस लग रही हैं। सिंपल लुक में उन्होंने मुस्कुराते हुए पपराजी को पोज दिए। अपनी अदाओं से वह फैन्स पर कहर ढाती दिखीं। पोज देते हुए बोनी कपूर मजाकिया अंदाज में पपराजी से पूछते हैं, 'भाई-बहन लग रहे हैं ना?' बोनी कपूर फिर से पपराजी से यही पूछते हैं। इसके बाद जाह्नवी अपने पिता की तरफ देखती हैं और कहती हैं, 'पापा।' पोज के व जाह्नवी की अगली फिल्म सर्वाइवल थ्रिलर 'मिली' है। इसमें उनके साथ सनी कौशल और मनोज पाहवा मुख्य भूमिका में हैं। यह पहली बार है जब बोनी कपूर के प्रोडक्शन की फिल्म में जाह्नवी ने काम किया है। 'मिली' 2019 में आई मलयालम फिल्म 'हेलन' की हिंदी रीमेक है। फिल्म 4 नवंबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पाइपलाइन में कई फिल्में

जाह्नवी की अपकमिंग अन्य फिल्मों में 'बवाल' है। इसमें उनके अपोजिट वरुण धवन हैं। फिल्म 7 अप्रैल 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसे नितेश तिवारी डायरेक्ट कर रहे हैं। इसके अलावा जाह्नवी के पास राजकुमार राव के साथ 'मिस्टर एंड मिसेज माही' है। जाह्नवी की पिछली फिल्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 'गुड लक जेरी' थी।

गोलबाजार ब्लैक विजेता

जबलपुर, यशभारत। महाकौशल शहीद स्मारक ट्रस्ट और गोलबाजार क्रिकेट एकेडमी के तत्वावधान में गोलबाजार क्रिकेट मैदान पर त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन किया गया जिसमें गोलबाजार ब्लैक ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय किया जिसमें गोलबाजार वाइट ने निर्धारित 30 ओवरों में 184 का लक्ष्य दिया जिसमें मयूर राय 58, एकलव्य सिंह 39, प्रिंस झा 28, विहान अग्रवाल 17 रनों का योगदान दिया गोलबाजार ब्लैक की ओर से गेंदबाज़ी करते हुए विदुषी गौतम, पार्थ नेमा ने 2- 2 विकेट लिए रूद्राक्ष सोनी, अशोक राणा, हर्षित पांडे 1-1विकेट लिए जवाबी पारी खेलने उतरी गोलबाजार ब्लैक ने बल्लेबाज़ी करते हुए 185 रन बना लिए अशोक राणा 62 सोहम जैन 25 रूद्राक्ष सोनी 21रौनक मंडल 18रन का योगदान दिया वाइट की ओर से गेंदबाज़ी करते हुए विहान अग्रवाल, ईशान अंसारी ने 3- 3 विकेट कमलेश सैयाम, मयूर राय, उदित शाह 1- 1 विकेट लिए रोमांचक मुकाबले में गोलबाजार ब्लैक ने शानदार जीत हासिल कर विजेता ट्रॉफ़ी में कब्जा किया ।मैच में बेस्ट बैट्समैन अंश सिंह चौहान, बेस्ट बॉलर विहान अग्रवाल और आग्नेय अग्रवाल, बेस्ट विकेट कीपर समर्थ जायसवाल, मैन ऑफ द मैच अशोक राणा, मैन ऑफ द सीरीज अभय केसरवानी को मुख्य अतिथि पंडित भवानी प्रसाद वार्ड के पार्षद श्री अयोध्या तिवारी (बंटी भैया) एवम कर्नाटक रणजी ट्रॉफी खिलाडी अशोक राणा ने संयुक्त रूप से पुरुस्कार दिया इस त्रिकोणीय प्रतियोगिता का संचालन और आभार पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाडी एवम गोलबाजार क्रिकेट एकेडमी के कोच किशोर बेन ने किया।

पारस कलनावत के साथ दिखीं उर्फी जावेद, फिर से रिलेशनशिप के सवाल पर बोलीं- 'बर्थडे पर आया था लेकिन'

मुंबई,ईएमएस। उर्फी जावेद और पारस कलनावत कभी एक दूसरे को डेट करते थे। बाद में उनका ब्रेकअप हो गया। उर्फी जावेद ने अपना बर्थडे कुछ दिनों पहले ही मनाया। 15 अक्टूबर को दोस्तों के साथ उन्होंने गोवा में जन्मदिन सेलिब्रेट किया। उर्फी की इस पार्टी में पारस कलनावत भी पहुंचे थे। पारस ने सोशल मीडिया पर उर्फी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी थीं। पार्टी में उर्फी और पारस ने एक दूसरे के साथ काफी एंजॉय किया जिसके बाद यह कयास लगाए जाने लगे कि क्या वो फिर से रिलेशनशिप में हैं। अब उर्फी ने इस पर अपना जवाब दिया है।

जन्मदिन की तस्वीरें हुई वायरल

पारस के साथ रिश्ते को उर्फी पहले ही बचपना बता चुकी हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उनके बीच फिर से ऐसा कुछ भी नहीं होने वाला है। बर्थडे में उन्हें बुलाया था लेकिन वो कपल नहीं हैं। उर्फी कहती हैं उनके बीच दोस्ती है। उन्होंने अपने जन्मदिन पर बुलाया और बीते दिनों को भुला दिया।

पारस के साथ ब्रेकअप पर बोली थीं उर्फी

इससे पहले उर्फी ने अपने ब्रेकअप पर कहा था, 'मैं उसके साथ ब्रेकअप करना चाहती थी। वह एक बच्चा था। वह बहुत पजेशिव था। उसने मेरे नाम के 3 टैटू बनाकर मुझे फिर से इम्प्रेस करने की कोशिश की लेकिन एक बार अलग होने के बाद कौन ऐसा करता है?

'अनुपमा में काम ना मिले, पूरी कोशिश की'

बता दें कि पारस सीरियल 'अनुपमा' में काम कर चुके हैं। उर्फी ने दावा किया कि पारस ने उस वक्त पूरी कोशिश की कि उन्हें अनुपमा में काम ना मिले। उसने टीम से उन्हें नहीं कास्ट करने के लिए कहा। वह उनके साथ काम नहीं करना चाहता था।

लागत भी नहीं निकाल पा रही थैंक गॉड

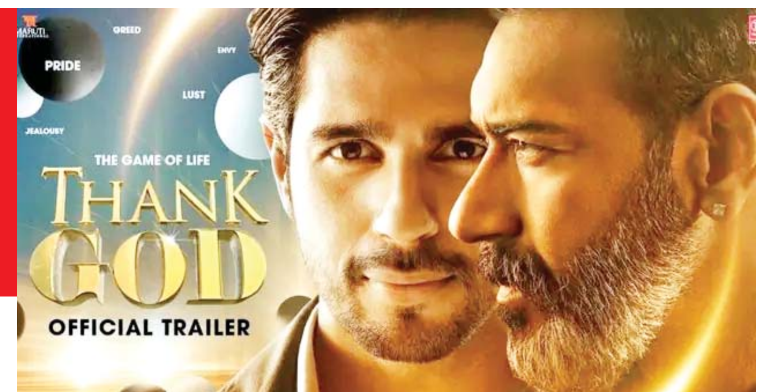

नई दिल्ली ,एजेंसी। अजय देवगन, सिद्धार्थ मल्होत्रा और रकुल प्रीत सिंह स्टारर फिल्म थैंक गॉड का जब ट्रेलर रिलीज हुआ तो यह काफी चर्चा में थी। लेकिन फिर जब बॉक्स ऑफिस के आंकड़े आने शुरू हुए तो ऐसा लगा कि फिल्म विवादों की भेंट चढ़ गई है। दरअसल फिल्म के कुछ किरदारों और सीन्स को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई थी। फीका रहा था थैंक गॉड का पहला दिन! रिलीज डे पर फिल्म को 8 करोड़ 1 लाख रुपये की ओपनिंग मिली थी, जो कि इसके साथ ही रिलीज हुई फिल्म राम सेतु से थोड़ी कम थी। माना ये जा रहा था कि फिल्म की कहानी और बाकी चीजों में अगर जोर रहा तो माउथ पब्लिसिटी के दम पर फिल्म के आंकड़ों में फिर एक बार इजाफा होगा, हालांकि ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला।

कितना रहा रविवार का BO कलेक्शन?

आलम ये रहा कि छुट्टी के दिन भी सिनेमाघरों में वैसी रौनक देखने नहीं मिली जिसकी उम्मीद की जा रही थी। रिपोर्ट के मुताबिक बीते रविवार को फिल्म ने सिर्फ 4 करोड़ रुपये की कमाई बॉक्स ऑफिस पर की है। इस तरह देखा जाए तो पिछले 6 दिनों में फिल्म ने टोटल 29 करोड़ 4 लाख रुपये का बिजनेस किया है। फिल्म के द्वारा किया गया ये बिजनेस इसके बजट से भी काफी कम है। खबर है कि फिल्म का कुल बजट ही 50 करोड़ रुपये के आसपास था। अब देखना होगा कि क्या ह्रञ्ज रिलीज और डिजिटल राइट्स बेचकर फिल्म अपनी लागत निकाल पाती है या नहीं। वहीं फिल्म राम सेतु को ना सिर्फ अच्छी शुरुआत मिली बल्कि बॉक्स ऑफिस पर भी इसने अच्छा बिजनेस किया है।

रणबीर कपूर के लिए कितना मुश्किल था शिवा का रोल, किस तरह की किरदार की तैयारी?

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2022 की ब्लॉकबस्टर हिट फिल्म च्ब्रह्मास्त्र - पार्ट वन शिवाज् 4 नवंबर को ह्रञ्ज प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने जा रही है। दर्शक हिंदी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम भाषा में इस फिल्म का मजा ले पाएंगे। फिल्म की ह्रञ्ज रिलीज से पहले रणबीर कपूर ने बताया है कि उन्होंने फिल्म में अपने सुपर पावर्स से लैस किरदार की तैयारी किस तरह की थी, और उन्हें इसमें क्या चुनौतियां पेश आईं?

कितना मुश्किल था शिवा का रोल?

किरदार और फिल्म की तैयारियों के बारे में बात करते हुए रणबीर कपूर ने बताया, चशिवा पेपर्स पर एक बहुत ही जटिल किरदार था। हमें उसे पर्दे पर उतारने के लिए के लिए काफी तैयारी करनी पड़ी। जिस तरह से वह चलता है, दौड़ता है, लड़ता है, डांस करता है। उसकी फिजीकैलिटी के लगभग हर पहलू और मूवमेंट्स को इस किरदार में शामिल किया जाना था।

झलक दिखला जा वापस लौटीं रुबीना

नई दिल्ली ,एजेंसी। टेलीविजन स्टार रुबीना दिलैक अपनी गर्दन की चोट लगने के बाद अब ठीक हो चुकी हैं, और जल्द ही डांस आधारित रियलिटी शो झलक दिखला जा में प्रस्तुति देती दिखेगी।यह जानकारी उनके कोरियोग्राफर सनम जौहर ने दी है। इससे पहले, रुबीना ने कोरियोग्राफर-अभिनेता सनम जौहर के साथ अपने डांस रिहर्सल के दौरान गर्दन में गंभीर चोट लगने का एक वीडियो साझा करने के लिए अपने सोशल मीडिया का सहारा लिया था। लेकिन सूत्रों के मुताबिक इस हफ्ते इस पावर जोड़ी ने अपनी परफॉर्मेंस से सभी का दिल जीत लिया। इस सप्ताह की थीम अंतरराष्ट्रीय नृत्य शैली है। रुबीना और सनम माधुरी के रॉकस्टार का हिस्सा थे।सनम ने साझा किया, रुबीना घायल हो गई थी, लेकिन वह अब ठीक है और कुछ ही समय में वापस आ गई और आप हमारे प्रदर्शन में देखेंगे कि यह अब तक का सबसे अछा प्रदर्शन है।

31 अक्टूबर : जन्मदिन पर विशेष

सेवा ही संकल्प

जिस दिन से चला हूं, मेरी मंजिल पर नजर है, आंखों ने कभी मील का पत्थर नहीं देखा
ये तख्तोताज क्या मुझे विरासत में मिले हैं, उन्होंने मेरा कांटों भरा बिस्तर नहीं देखा

मशहूर शायर बशीर भद्र की ये पंक्तियां कदाचित कटनी के लाड़ले बेटे संजय पाठक के व्यक्तित्व पर खरी उतरती हैं। संजय पाठक आज उस मुकाम पर है, जहां पहुंचने का सपना हर युवा की आंखों में तैरता है। 31 अक्टूबर 1970 को जन्मे संजय ने अपने पूज्य पिता पंडित सत्येन्द्र पाठक जी एवं माता श्रीमती निर्मला पाठक जी से मिले संस्कारों और परोपकार की भावना को अंगीकार करते हुए राजनीति को सेवा का माध्यम बनाया। दूसरों के दुख-दर्द को अपना समझते हुए हर पल मदद के लिए तत्पर रहने वाले संजय पाठक के जीवन का जैसे उद्देश्य ही लोगों के आंसू पोंछना है। उनकी दहलीज पर आया जरूरतमंद कभी खाली हाथ नहीं लौटा। पीढ़ियों से चली आ रही मदद की इस भावना को संजय ने भी बड़ी शिद्दत से अपनाया और निभाया है। जिला पंचायत अध्यक्ष से शुरू हुआ राजनीति का सफर सूबे की सरकार में मंत्री तक पहुंचा, लेकिन हर क्षण मूलमंत्र सेवा ही रहा। कटनी जिले के विजयराघवगढ़ से चौथी बार विधायक निर्वाचित होकर अपने जीवन का हर पल जनता के नाम समर्पित कर चुके हैं। उनकी धड़कनों में कटनी और उसके वाशिंदे बसते हैं।

संजय पाठक अपने पुरूषार्थ से न केवल अपने जीवन को सार्थक कर रहे हैं बल्कि एक आदर्श इंसान के रूप में दूसरों के लिए भी प्रेरणादायी बनकर सामने आए हैं। पीड़ित मानवता की सेवा, संस्कार और पल भर में लोगों को अपना बना लेने की अद्भुत कार्यशैली की वजह से उनका चमत्कारिक व्यक्तित्व आज लाखों युवाओं के लिए अनुकरणीय बन चुका है। अपनी मातृभूमि और उसमें निवास करने वाले लोगों के प्रति गहरे लगाव की वजह से ही आज पाठक परिवार का कारवां हर दिन बढ़ता जा रहा है। उनके उदार व्यक्तिव में माता-पिता की गहरी छाप तो नजर आती ही है, साथ ही वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी के सेवाकार्यों से भी वे प्रभावित नजर आते हैं। सही मायने में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सिद्धांत को जैसे संजय पाठक अपनी सेवाभावी राजनीति का मूलमंत्र बना चुके हैं। सेवा से जुड़े अपने मिशन को उन्होंने कटनी जिले की सीमाओं में कभी नहीं बांधा, बल्कि हर उस व्यक्ति के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े नजर आए, जो मुसीबत में था।

सत्ता पर नहीं लोगों के दिलों में राज करना चाहता हूं....

पिता से लिया सेवा का व्रत

अपने पूज्य पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए संजय पाठक ने भी सेवा और समाज के उत्थान को अपनी राजनीति का माध्यम बनाया। उनका दिल भी पिता की तरह दीन-दुखियों की सेवा के लिए धड़कता है। परोपकार को वे अपना धर्म समझकर निभाते हैं। संजय पाठक स्वयं भी कहते हैं कि ईश्वर ने मुझे जो साधन और संपन्नता दी है, वह मेरे स्वयं के उपभोग के लिए नहीं, बल्कि जरूरतमंदों की मदद के लिए है। वे खुद को महज उस पोस्टमैन की भूमिका में मानते हैं, जो जनता के नाम ईश्वर से आए मनीऑर्डर को उन तक इस भाव के साथ पहुंचाता है कि तेरा तुझको अर्पण-क्या लागे मेरा। संजय पाठक अगर आज जन-जन की आशाओं के केन्द्र बन चुके हैं, तो इसके पीछे पूज्य गुरूदेव पंडित देव प्रभाकर शास्त्री दद्दा जी की कृपा, पूज्य माता-पिता के आशीर्वाद और हजारों चाहने वालों की दुआओं का ही नतीजा है। सही मायने में सेवा भावना से उन्हें हर पल नई ऊर्जा के साथ काम करने की ताकत मिलती है। उनका कार्यक्षेत्र केवल कटनी जिला या विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र तक सीमित नहीं, बल्कि किसी आशा से उन तक पहुंचने हर व्यक्ति की मदद के लिए उनके हाथ बढ़ते चले जाते हैं।

स्वास्थ्य शिविर का भागीरथी प्रयास

बरही में कुछ समय पहले आयोजित विशाल स्वास्थ्य शिविर को भी उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र की सीमाओं में नहीं बांधा, बल्कि पूरे कटनी जिले सहित पड़ोसी जिलों से आने वाले लोगों के इलाज की चिंता भी उनके मन में बराबर रही। आज बड़ी तादात में लोग ऐसे हैं, जिनके इलाज के लिए संजय पाठक ने तन, मन और धन से खुद को समर्पित कर दिया है। बरही के शिविर के पीछे कदाचित उनके पूज्य पिता की ही प्रेरणा थी। शिविर में चिरायु मेडिकल कॉलेज के योग्य चिकित्सकों ने महज दो दिन में एक लाख से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर में जांच के बाद 3800 मरीज ऐसे मिले, जिनका आगे का इलाज भोपाल के चिरायु अस्पताल में कराया गया। बरही से रिफर होकर भोपाल गए मरीजों की चिंता भी उन्हें बराबर बनी रही। उनका हाल जानने वे पुत्र और भाई की तरह भोपाल के चिरायु अस्पताल भी गए। हर दिन वे इलाज का अपडेट भी लेते रहे।

कोविड सेंटर बनाकर किया ऑक्सीजन और वेंटीलेटर का इंतजाम

हम सबने देखा है कि कोरोना काल में जिस समय स्वास्थ्य सेवाओं की कमी से हर कोई जूझ रहा था और लोग चाहकर भी एक दूसरे की मदद नहीं कर पा रहे थे, उस कठिन वक्त में विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक ने सायना इंटरनेशनल स्कूल में सांसद कोविड सेंटर का शुभारंभ कराकर कोविड के मरीजों के लिए इलाज का इंतजाम किया। यहां प्रशिक्षित स्टाफ को तैनात करने के साथ ऑक्सीजन सिलेंडर और वेंटीलेटर की व्यवस्था की गई। बरही एवं विजयराघवगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में वेंटिलेटर वैन एवं आक्सीजन यंत्र भी उन्होंने प्रदान किए। कोरोनाकाल में अनाज और जरूरी सामान के पैकेट जरूरतमंदों के घरों तक पहुंचाए। जिला चिकित्सालय में बिस्तरों की कमी को देखते हुए उन्होंने पूज्य पिता की स्मृति में सुविधा युक्त कक्ष निर्माण के लिये राशि उपलब्ध करवाई। विजयराघवगढ़ एवं बरही में भी स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करवाईं।

ललिताबाई ने संजय को कहा था श्रवण कुमार

आज के दौर में कौन किसकी इतनी चिंता करता है। यही वजह है कि विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र समेत कटनी जिले के लोग संजय पाठक को अपने परिवार का बेटा और भाई मानते हैं। न जाने कितनी माताओं की आंखों के वे तारे हैं और न जाने कितने बुजुर्गों का सहारा हैं। शिविर में पहुंची कन्हवारा की ललिताबाई ने यदि उनकी सेवा भावना से प्रभावित होकर उन्हें श्रवण कुमार की संज्ञा दी थी तो कहीं न कहीं यह उस माता की अंतरात्मा से निकली आवाज होगी।

कौन भूल सकता है उत्तराखंड की त्रासदी

उत्तराखंड में आई उस त्रासदी को भला कौन भूल सकता है, जिसमे जोखिम उठाकर कटनी के इस बेटे ने अनेक लोगों की जान बचाई थी। सही मायने में तो वे देवभूमि में किसी देवदूत बनकर ही उतरे थे।

पूज्य पिता की स्मृति में सर्वसुविधायुक्त चिकित्सा भवन की सौगात

कोरोनाकाल में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी को समझते हुए पूज्य पिता पं. सत्येन्द्र पाठक की स्मृति में जिला चिकित्सालय में 9 करोड़ की लागत से सर्वसुविधायुक्त चिकित्सा भवन तैयार कराया जा रहा है, जिसकी आधारशिला प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा द्वारा रखी जा चुकी है। इस चिकित्सा भवन में इलाज की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

गरीब कन्याओं के विवाह में मदद

विजयराघवगढ़ सहित समूचे जिले में गरीब कन्याओं के विवाह में मदद का सिलसिला भी अनवरत रूप से जारी है। अपने पूज्य पिता की राह पर चलते हुए संजय पाठक भी एक भाई की तरह बहनों के प्रति अपने इस फर्ज को निभा रहे हैं। बड़ी तादात में गरीब परिवार की कन्याओं के विवाह में अपनी ओर से हर संभव मदद करते हुए संजय पाठक अपने पुत्र यश को भी यही शिक्षा देते हैं कि वह भी लोगों की मदद के संकल्प को लेकर आगे बढ़े। धार्मिक आयोजनों में भी संजय पाठक की सहभागिता किसी से छिपी नहीं है। अपने गुरू पूज्य पंडित देव प्रभाकर शास्त्री दद्दा जी के प्रति आस्थावान रहते हुए बड़े धार्मिक आयोजनों के माध्यम से उन्होंने समाज में एक धर्मपरायण इंसान के रूप में अपनी गहरी छाप छोड़ी है।

मैं तो पत्थर हूं, मेरे माता-पिता शिल्पकार हैं, मेरी हर तारीफ के वो ही असली हकदार हैं

क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार का संकल्प

0 व्यक्तिगत तौर पर विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र विजयराघवगढ़ भवन हेतु 75 लाख एवं 50 लाख रूपए बरही में भवन हेतु निर्मित कराकर समर्पित करने प्रस्तावित किए।

0 विजयराघवगढ़ एवं बरही हेतु व्यक्तिगत तौर पर 29-29 लाख लागत की 2 सुपर स्पेशिलिटी एम्बुलेंस समर्पित की गई। परिजनों द्वारा शवों को ले जाने की असुविधा को देखते हेतु 7-7 लाख रूपए के 3 शव वाहन विधायक निधि से उपलब्ध कराए।

0 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र विजयराघवगढ़ को विधायक निधि से 15 लाख रुपए कोरोना मरीजों के इलाज हेतु दिए गए।

0 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बरही में कोरोना पीड़ित मरीजों के इलाज के लिए 5 लाख रुपए दिए गए।

0 कोरोना काल में सायना इंटरनेशनल स्कूल कटनी में 400 बेड का अस्थायी सांसद कोविंड सेन्टर संचालित करने हेतु शासन को दिया गया।

0 जबलपुर में दद्दा परिसर में 300 बिस्तरों का अस्थायी कोविड सेन्टर शासन को देने का प्रस्ताव दिया गया।

0 कटनी जिले हेतु रेडक्रॉस सोसाइटी में कोविड काल में सहयोग हेतु 25 लाख रुपए चिकित्सीय सहायतार्थ हेतु प्रदान किए।

विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गांवों पर फोकस

विधायक संजय पाठक इस बात को हमेशा महत्व देते हैं कि भारत गांवों में बसता है। वे विशेषकर अपने विधानसभा क्षेत्र विजयराघवगढ़ की बात करते हुए कहते हैं कि भाजपा सरकार द्वारा आज विजयराघवगढ़ के हर गांव में आधारभूत सुविधाएं विकसित कर विकास किया जा रहा है, जिससे बदलाव की नई इबारत लिखी गई है। गांव में हुई नई पहल का असर दिखाई दे रहा है। गांवों में भी शहर जैसी सुविधाएं उपलब्ध हुई हैं। गांव-गांव सड़क पहुंच गई है और पानी, बिजली, स्वच्छता, नाली निर्माण जैसे आधारभूत सुविधाओं का लगातार विकास हो रहा है। लोगों को सुविधाएं भी मिली हैं।

आयुष्मान कार्ड बनाने की मुहिम

नि:शुल्क स्वास्थ्य एवं परीक्षण शिविर को देखते हुये 22 मार्च से लेकर 23 मार्च तक विजयराघवगढ़, कांटी, कारीतलाई, सिनगौड़ी, गैरतलाई, बरही, खितौली केन्द्रों में नि:शुल्क आयुष्मान कार्ड बनाये जाने का अभियान चलाया गया, जिसमें अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाये गये।

न रूकूंगा, न थमूंगा...

अपने सेवा कार्यों को सतत जारी रखने के बावजूद संजय पाठक किंचित मात्र भी थके नजर नहीं आते। संकल्प लेते हुए वे कहते हैं न रूकूंगा, न थमूंगा। हर जरूरतमंद की मदद के लिए सदैव उपस्थित रहूंगा। हर कोई जानता है पीड़ितों के आंसू पोंछना तो पाठक परिवार के नित्य कर्म में शामिल है। परोपकर से जुड़े कार्यों को यह परिवार अपने धर्म की तरह निभाता है।

चाहने वालों की ओर से आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा जनपक्ष प्रिंटिंग एवं पब्लिशिंग, गोपालबाग जबलपुर-2 से मुद्रित एवं कचहरी चौक कटनी से प्रकाशित। सम्पादक-श्याम कटारे एवं स्थानीय सम्पादक-आशीष सोनी*। फोन (07622) 406666, 230033, जबलपुर कार्यालय फोन- (0761) 2643333, 2646666 फैक्स (0761) 4084085 डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/ 26/22-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/21090. email - katni@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)